• जयपुर, मंगलवार 30 जून 26 • वर्ष 15 • अंक 242 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIN/2011/40950
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

“सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।”
● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

“प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में साकार हुआ यमुना जल समझौता : राजस्थान की जल सुरक्षा का नया अध्याय”

राजस्थान-हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते (एमओए) पर हस्ताक्षर, 32 साल पुरानी बहुप्रतीक्षित परियोजना साकार होने की दिशा में बढ़ी

34,102 करोड़ रुपये की परियोजना से राजस्थान की जल सुरक्षा होगी सुदृढ़, शेखावाटी सहित जल संकटग्रस्त क्षेत्रों को मिलेगा स्थायी पेयजल

चमकता राजस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, सहकारी संघवाद की भावना तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के सतत मार्गदर्शन और समन्वयकारी प्रयासों से राजस्थान की बहुप्रतीक्षित यमुना जल परियोजना को ऐतिहासिक सफलता मिली है। सोमवार को नई दिल्ली में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। लगभग तीन दशक से लंबित यह परियोजना अब क्रियान्वयन के निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई है। लगभग 34,102 करोड़ रुपये की लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना राजस्थान के जल इतिहास में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

समझौते पर हस्ताक्षर के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दोनों राज्यों एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन में जल सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में जल संरक्षण, जल प्रबंधन और राज्यों के बीच सहयोग की नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है। नर्मदा परियोजना, जल जीवन मिशन, केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा राम जल सेतु लिंक जैसी परियोजनाओं की तरह यमुना जल परियोजना भी इसी दू-रदर्शी सोच का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों राज्यों के मध्य विश्वास, संवाद और समन्वय का सेतु बनकर इस जटिल विषय का समाधान संभव बनाया। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल की तकनीकी एवं प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता की भी सराहना करते हुए कहा कि मंत्रालय के सक्रिय सहयोग से परियोजना की सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को समयबद्ध गति मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, केंद्र-राज्य समन्वय और समयबद्ध निर्णयों के माध्यम से दशकों से लंबित परियोजनाओं को भी सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, जल जीवन मिशन और अब यमुना जल परियोजना इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

● हथिनीकुंड बैराज से बिछेगी 295.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन

यमुना जल परियोजना के अंतर्गत राजस्थान के हिस्से का 577 एमसीएम यमुना जल हरियाणा स्थित हथिनीकुंड बैराज से लगभग 295.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन प्रणाली के माध्यम से चूरू जिले के हंसियावास जलाशय तक पहुँचाया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 34,102 करोड़ रुपये है।

परियोजना के अंतर्गत 3.6 मीटर व्यास की तीन भूमिगत पाइपलाइनें, निरीक्षण सड़क, कृत्रिम जलाशय तथा आधुनिक जल प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाएगी। हरियाणा में भी दस स्थानों पर पेयजल उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है, जिससे यह परियोजना दोनों राज्यों के लिए समान रूप से लाभकारी सिद्ध होगी।

राजस्थान सरकार द्वारा परियोजना की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर केंद्रीय जल आयोग के ी-ढअटर पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी है तथा हरियाणा द्वारा पाइपलाइन अलाइनमेंट को सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है। परियोजना के निर्माण एवं संचालन के लिए राजस्थान हरियाणा यमुना वाटर परियोजना -रढश (फत्र ह-रढश) का गठन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह ऐतिहासिक पहल राजस्थान की आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करेगी तथा शेखावाटी सहित प्रदेश के जल संकटग्रस्त क्षेत्रों के सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

पाकिस्तानी हमले में अफगानिस्तान में बच्चों और महिलाओं समेत 36 की मौत, 163 लोग घायल

काबुल/एजेंसी

अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार ने बताया कि रविवार रात को हुए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम 36 लोगों की जान गई है, जबकि 163 लोग घायल हुए हैं। तालिबान प्रशासन के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने एक्स पर तस्वीरें साझा कर हुए लिखा कि पाकिस्तानी सेना ने कल रात पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों पर हवाई बमबारी की थी। फितरत ने बताया कि 36 मृतकों में महिलाओं और बच्चे भी शामिल हैं।

फितरत ने बताया कि पक्तिया प्रांत में जमखानी ज़िले के मंडुखेल गांव में पाकिस्तानी जे-10 विमानों की बमबारी से एक रिहायशी घर पर हमला हुआ, जिसमें एक बुजुर्ग और एक बच्चे की मौत हो गई। उन्हें बचाने के लिए इक्ठा हुए स्थानीय लोगों पर दोबारा बमबारी हुई, जिसमें 28 की मौत हो गई और 158 लोग घायल हो गए। पक्तिका प्रांत के गयान जिले के वालोस्ट गांव और कुनार प्रांत के नाराय जिले के बारोलू गांव में बमबारी हुई थी।

पाकिस्तान ने यह हमला तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के एक अलग गुट 'जमात-उल-अहरार' द्वारा कराची में हुए हमले के एक दिन बाद किया है। कराची में अर्धसैनिक रेंजर्स के क्षेत्रीय मुख्यालय पर बंदूकों और विस्फोटकों से लैस आतंकवादियों ने हमला हुआ था, जिसमें 4 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे और कई घायल हुए थे। पाकिस्तान सरकार ने दावा किया कि रविवार रात हुए हमले में अफगानिस्तान सीमा पर 29 तालिबानी लड़ाके मारे गए हैं।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को मिली नई गति, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पांच डिजिटल पहलें शुरू

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अंतर्गत पांच महत्वपूर्ण डिजिटल पहलों का शुभारंभ किया।

इनमें ई-सुश्रुतञक्लीनिक, औषधि पंजी, आरोग्य सेतु 2.0, आयुष्मान सारथी व्हाट्सऐप संवाद सहायक तथा एकीकृत स्वास्थ्य अंतरफलक (यूएचआई) शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य देश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी, आपस में जुड़ी हुई तथा नागरिक-केंद्रित बनाना है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि इन डिजिटल पहलों का शुभारंभ देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि ये सभी मंच स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सरल, तेज और प्रभावी बनाकर स्वस्थ भारत तथा डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे।

अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे बिहार के राज्यपाल और विदेश राज्य मंत्री

नईदिल्ली/एजेंसी। केंद्र सरकार ने ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए 2 नामों का चयन किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के औपचारिक बुलावे पर बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनके साथ विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी होंगे। हालांकि, अभी केंद्र सरकार की ओर से औपचारिक ऐलान होना बाकी है। पिछले दिनों ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंतिम संस्कार में शामिल होने का बुलावा भेजा था। अली खामेनेई का अंतिम संस्कार कार्यक्रम 4 जुलाई से शुरू होगा और 9 जुलाई को खामेनेई के गृह नगर मशहद में उनको दफनाने के साथ समाप्त होगा।

केंद्र सरकार 1 जुलाई से पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लगे प्रतिबंध हटाएगी

नईदिल्ली/एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार को एक आदेश जारी कर यह बात कही। सरकार ने बताया कि आदेश 1 जुलाई से लागू होगा। बता दें कि सरकार ने स्थानीय कमी को रोकने के लिए वाणिज्यिक ईंधन खरीदारों को खुदरा स्टेशनों से पेट्रोल और डीजल खरीदने से रोक दिया था। साथ ही, डीजल की दैनिक खरीद पर सीमा निर्धारित कर दी थी। केंद्र सरकार ने इसी महीने प्रतिबंधों को लागू किया था, ताकि पेट्रोल और डीजल की समान उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, हेराफेरी-जमाखोरी को रोका जा सके और उचित कीमतों पर निर्बाध ईंधन आपूर्ति बनाई रखी जाए।

असम में बाढ़ से हालात बद से बदतर, रेलवे पुल ढहा, शाह ने सीएम हिमंत से लिया जायजा

गुवाहाटी/एजेंसी।

असम में इस समय बाढ़ से हालात बेहद खराब हैं. जानकारी के मुताबिक राज्य के धेमाजी में बाढ़ का विकराल रूप देखने को मिल रहा है. बाढ़ का रौद्र रूप का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां सिमेन नदी पर बना रेलवे पुल आंशिक रूप से ढह गया. नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है.

इसी सिलसिले में आज गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा से फोन पर बात की और बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया. सीएम सरमा ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया और इसके बारे में बताया. उन्होंने शाह को स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे राहत और पुनर्वास के उपायों के बारे में जानकारी दी और. वहीं, गृह मंत्री ने इस मामले में केंद्र से हर संभव मदद और सहायता का भरोसा भी दिया. उन्होंने कहा कि मैं गृह मंत्री अमित शाह को उनके फोन कॉल और धेमाजी में बाढ़ की स्थिति के बारे में पूछने के लिए धन्यवाद देता हूं.

धेमाजी में बाढ़ को लेकर अधिकारियों ने बताया कि असम और पड़ोसी अरुणाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश के बाद ऐसे हालात बन गए हैं, जिससे छह जिलों के 22,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं. बता दें, यह हादसा भारी बारिश और नदी के किनारे के कटाव की वजह से हुआ. नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे के एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, असम के धेमाजी जिले और उसके आसपास 110 मिमी. से ज्यादा बारिश और उसके बाद आई बाढ़ और नदी के किनारे के कटाव की वजह से रेलवे पुल पर असर पड़ा, इसलिए अर्चिपाथर और सिमेन चपारी स्टेशनों के बीच के हिस्से पर ट्रेन का ऑपरेशन रोक दिया गया है.

असम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के जारी डेटा के मुताबिक, धेमाजी, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़, चिरांग, लखीमपुर और कोकराझार जिलों में कुल 22,124 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं. धेमाजी सबसे ज्यादा प्रभावित जिला बना हुआ है, जहां अभी 15,483 लोग बढ़ते पानी के लेवल के असर से जूझ रहे हैं.

हेल्प केयर सोसायटी द्वारा राजस्थान में विद्यायल सामग्री का निशुल्क वितरण

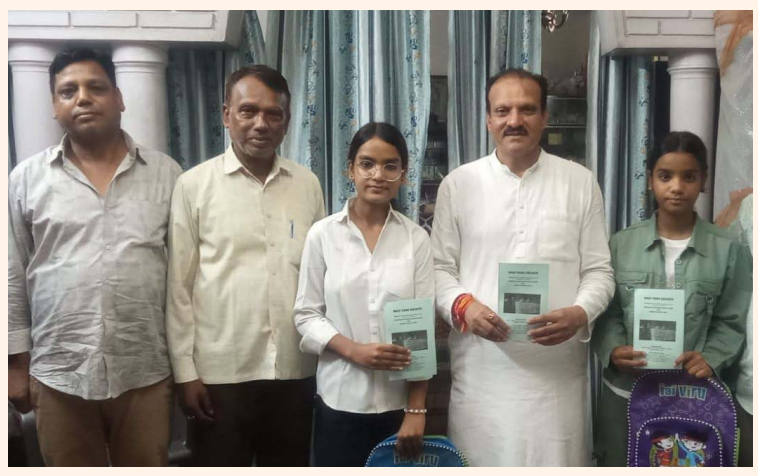

चमकता राजस्थान

जयपुर। 1990 से निरन्तर रूप से समाज कल्याण के हित में कार्यरत संस्था हेल्प केयर सोसायटी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सोसायटी के द्वारा राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा के विस्तार हेतु छोटे छोटे जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई के लिये विद्यायल सामग्री जैसे कॉफी किताबे, बेग', पानी की बोतल,टिफिन इत्यादी का निशुल्क वितरण नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद नीरज डांगी के हाथो से किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक डॉ. कपिल निश्चल के साथ रावणा राजपूत समाज के महासचिव विक्रम सिंह पंवार भी उपस्थित रहे ,इस अवसर पर सभी ने बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना की !

● कार्यक्रम की विशेष बातें

- छोटे–छोटे जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री का निशुल्क वितरण
- कॉपी, किताबें, बैग, पानी की बोतल, टिफिन आदि शामिल
- शिक्षा के विस्तार और समाज कल्याण के लिए संस्था का सराहनीय प्रयास
- बच्चों के चेहरों पर खुशी और भविष्य के सपने

● शिक्षा ही वह साधन है जो समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाता है। हमारा प्रयास है कि कोई भी बच्चा संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे।
नीरज डांगी नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद

संपादकीय

'त्रिभाषा फॉर्मूला : सपना बड़ा, ज़मीन कमज़ोर'

सीबीएसई ने त्रिभाषा नीति को लागू करने में जो 'लचीलापन' दिखाया है, उसे राहत कहा जा रहा है, लेकिन गहराई से देखें तो यह राहत कम, और नीति-निर्माण की अधूरी तैयारी का सबूत ज़्यादा नज़र आती है। अगर एनईपी 2020 का खाका 2020 में ही बन गया था, तो छह साल बाद भी इसे लागू करने के लिए 'ट्रांज़िशनल रिलैक्सेशन', 'वन-टाइम एग्ज़ेम्पशन' और 'स्कूल-वार इंटरनल असेसमेंट' जैसे पैबंद क्यों लगाने पड़ रहे हैं? यह सवाल बोर्ड की योजना-क्षमता पर सीधा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बोर्ड एक तरफ़ बहुभाषिकता और 'भारतीय भाषाओं में दक्षता' का बड़ा सपना दिखा रहा है, और दूसरी तरफ़ तीसरी भाषा को बोर्ड परीक्षा की जवाबदेही से ही मुक्त कर रहा है। जब किसी विषय का मूल्यांकन बोर्ड स्तर पर नहीं, बल्कि स्कूल के भरोसे छोड़ दिया जाए, तो ईमानदारी से सवाल पूछना चाहिए कि क्या यह भाषा-शिक्षण है, या सिर्फ़ कागज़ी अनुपालन (पेपर कम्प्लायंस) की औपचारिकता? जिन स्कूलों में पहले से शिक्षकों की कमी जूझ रही है, वहां 'आंतरिक मूल्यांकन' अक्सर खानापूर्ति में बदल जाता है, दरअसल यह किसी से छुपा नहीं है। शिक्षकों की उपलब्धता का मसला भी इस नीति की सबसे कमज़ोर कड़ी है। 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं को पढ़ाने लायक योग्य शिक्षक देश के हर ज़िले में, हर स्कूल में मिल जाएंगे, लेकिन सच्चाई यही है कि यह दावा ज़मीनी हकीकत से कोसों दूर लगता है। सहोदय क्लस्टर और वर्चुअल कक्षाओं का सुझाव सुनने में आधुनिक लगता है, लेकिन यह असल में संसाधनों की कमी छिपाने का एक सुविधाजनक बहाना भी बन सकता है। रही बात छात्रों की, तो जिन्होंने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुन ली थीं, उन्हें अब एक भारतीय भाषा 'जोड़नी' पड़ेगी, यानी नीति बदलने का बोझ आखिरकार छात्रों के कंधों पर ही आया है, चाहे उसे 'एक बार की छूट' कहकर कितना भी मुलायम बना लिया जाए। यह नीति दिशा में सही हो सकती है, लेकिन दिशा सही होना काफ़ी नहीं, साफ़ साफ़ कहें तो रास्ता भी मज़बूत होना चाहिए। नीयत पर शक नहीं किया जा सकता, लेकिन नीयत से नीति नहीं बनती, उसके लिए ठोस ज़मीन चाहिए। फिलहाल सीबीएसई के पास सपना तो बड़ा है, पर पैर अभी हवा में हैं।

त्रिभाषा नीति-निर्माण की अधूरी तैयारी का सबूत ज़्यादा नज़र आती है। मूल्यांकन बोर्ड स्तर पर नहीं, बल्कि स्कूल के भरोसे छोड़ दिया। जिन स्कूलों में पहले से शिक्षकों की कमी जूझ रही है, वहां 'आंतरिक मूल्यांकन' अक्सर खानापूर्ति में बदल जाता है।

पाठकवाणी

कर्बला के सबक को समझें

कर्बला से इंसान को बहुत सारे सबक़ हासिल होते हैं, जो रहती दुनिया तक इंसान की रहनुमाई करते रहेंगे। एक सबक यह है कि सत्ता के बारे में यह ख़्याल रखना कि 'सत्ता ऐसा नही कर सकती', अपने आप को अंधेरे में रखना है। सत्ता कुछ भी कर सकती है, कुछ भी। सत्ता जुल्म की सारी हदें पार कर सकती है। सत्ता जुल्म को अमन के लिए उठाए गए कदम और नाइंसाफी को इंसाफ की एक शक्ल बना कर पेश कर सकती है। सत्ता किसी कानून की पाबंद नहीं होती। सत्ता का सबसे पहला मकसद अपनी सत्ता बचाना और दूसरा मकसद अपने मुखालिफों को कमजोर करना होता है। सत्ता अपने मुखालिफों को देश और धर्म का मुखालिफ बना कर पेश करती है। ये सब करने के लिए सत्ता के पास माकूल तादाद में दलीलें होती हैं, तैयार कर लेती है, करा लेती है। इसके लिए वह सबका समर्थन जुटा लेती है। धर्मगुरुओं का, शायरों का, साहित्यकारों का, फनकारों का, अखबारों का, अदालतों का और हर उस आमो-खास का जिसकी बात अवाम सुनती है। इसके लिए वो डर और लालच दोनों तरीके इस्तेमाल करती है। कमजोर डर जाते हैं, लालची ओहदे, दौलत और शोहरत के लालच मे आ जाते हैं। दोगले लोग चुप हो जाने को अक्लमंदी समझते हैं। सत्ता मजलूम को जालिम और जालिम को मजलूम दिखा देती है। अगर किसी को कर्बला समझ आ गई तो वो दुनिया में होने वाली सियासी तब्दीलियों को अच्छी तरह से समझ सकता है। इस सबके बावजूद भी सत्ता परिवर्तनशील है।

सोशल मीडिया

राहुल ने तोड़ी डर की दीवार

जब 2024 में राहुल गांधी विपक्ष के नेता बने, तो उन्हें यह पद विरासत में नहीं मिला था। उन्होंने इसे अपने पैरों की ताकत से अर्जित किया था। उन्होंने देश के कोने-कोने तक पैदल यात्रा की–एक ऐसा असाधारण कार्य जिसकी गहराई को आज भी अधिकांश लोग पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने '400 पार' और 'हिंदू राष्ट्र' के सपने को जमीन पर ला दिया, भाजपा को 240 सीटों तक सीमित कर दिया और मोदी जी को बहुमत से वंचित प्रधानमंत्री बना दिया। उन्होंने उस कुर्सी को भरा जो दस वर्षों से खाली थी। लेकिन उन्होंने केवल कुर्सी ही नहीं जीती, उससे कहीं बड़ी चीज जीती–पहली बार पूरे भारत ने, यहां तक कि भाजपा समर्थकों ने भी, भीतर से महसूस किया कि मोदी वह चुनाव वास्तव में नहीं जीते थे। फिर राहुल गांधी ने डर की दीवार तोड़ दी। संसद में उनका पहला कदम था स्पीकर की ओर मुड़कर उन्हें यह याद दिलाना कि उन्होंने मोदी के सामने सिर झुका दिया है। जब राहुल बोलने के लिए उठे, तब मोदी ने वह किया जो किसी भी मजबूत नेता को कभी नहीं करना चाहिए–वे सदन से चले गए। पूरे देश ने इसे लाइव देखा और उसी क्षण देश की मानसिकता बदल गई। यह सिलसिला लगातार जारी रहा। संसद से निकलना, यह कहना कि एक महिला सांसद उन्हें हरा सकती थी, राहुल गांधी की मौजूदगी में संसद की कार्यवाही रोकना, माइक्रोफोन बंद करना, कैमरे हटाना और विपक्ष को निलंबित करना–ये सब इसी भय के संकेत थे। एक ऐसे प्रधानमंत्री, जिसके पास चुनाव आयोग, प्रवर्तन निदेशालय, सर्वोच्च न्यायालय, भाजपा, आरएसएस और अपार संसाधनों का समर्थन हो, वह भी राहुल गांधी का सामना नहीं कर पा रहे थे। देश में लोकप्रियता घटने के कारण प्रधानमंत्री विदेशों में जाकर अपनी छवि बनाए रखने की कोशिश करते हैं। राहुल गांधी ने सबसे महत्वपूर्ण बात यह कही कि 'मोदी भारत नहीं हैं' और 'आरएसएस भी भारत नहीं है।' उन्होंने सरकार, संगठन और राष्ट्र के बीच स्पष्ट अंतर खींचा। इस साहस ने अन्य नेताओं और युवाओं को भी निर्भीक होकर बोलने का आत्मविश्वास दिया। यदि राहुल गांधी ने शुरुआत न की होती, तो आज कोई भी वैसी आलोचना करने का साहस नहीं जुटा पाता।

चित्रा माली

एसोशिएट प्रोफेसर
गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

सामाजिक संरचना में पैबस्त है दहेज़ प्रथा

राजेन्द्र यादव का चर्चित उपन्यास "सारा आकाश" 1959 को प्रकाशित हुआ था और इसके प्रथम भाग पर इसी शीर्षक से एक फिल्म भी 1969 में बनी थी। इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आईएससीई) ने 2017 से इस उपन्यास को कक्षा 11वीं व 12वीं के लिए हिंदी विषय में निर्धारित पुस्तक के रूप में स्वीकृत किया गया है। यह उपन्यास मेरी बिटिया के पाठ्यक्रम में है तो जिज्ञासा हुई कि इसे पाठ्यक्रम में क्यों शामिल किया गया होगा है? इसे क्यों पढ़ाया जाना चाहिए। कई वर्ष पूर्व पढ़ा था लेकिन बहुत स्पष्टतया याद नहीं था इसलिए दुबारा पढ़ा। इस उपन्यास में निम्न मध्यम वर्गीय परिवार की जद्दोजहद, गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी की समस्याओं और एक खास विचारधारा वाले संगठन की कार्यशैली और उससे प्रभावित नायक का आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का निर्णय,जिसे पारिवारिक दबाव के चलते निरस्त कर दिया जाता है। साथ ही इसमें स्त्रीवादी दृष्टिकोण से स्त्रियों के साथ होने वाले भेदभाव को भी उजागर किया गया है, इसमें दहेज प्रथा और पर्याप्त दहेज न मिल पाने के कारण होने वाला शारिरिक व मानसिक उत्पीड़न, बर्दाश्त न कर पाने के कारण महिलाओं के द्वारा की जाने वाली आत्महत्या को भी शामिल किया गया है। प्रभा घर की छोटी बहू जिस दिन विदा होकर ससुराल आयी थी उसी दिन घर के सामने वाले घर में सांवल की बहू ने मिट्टी का तेल छिड़ककर कोठरी में आत्महत्या कर ली थी। उपन्यास यहीं से शुरू होता है। प्रभा मेट्रिक पास थी और सिलाई,कढ़ाई में भी कुशल थी लेकिन अपने साथ दहेज नहीं लाई थी जिससे परिवार द्वारा लिया गया कर्ज चुकाया जा सके। उस समय महिलाओं का पढ़ा लिखा होना गुण न होकर दुर्गुण होता था जिसकी उलाहना उसे बार बार दी जाती थी। बहरहाल इस उपन्यास की समीक्षा करना या इसका विश्लेषण करना मेरा मकसद नहीं है। भारत में दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए दहेज निषेध अधिनियम एक प्रमुख कानून बनाया गया है। यह अधिनियम 1 जुलाई 1961 से पूरे भारत में लागू किया गया था। इस अधिनियम के अनुसार, "दहेज" का अर्थ कोई भी संपत्ति या मूल्यवान वस्तु से है जो विवाह के समय,उसके पूर्व,या कभी विवाह के पश्चात भी वधु पक्ष द्वारा वर पक्ष को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दी जाती है।

इस अधिनियम में दहेज लेने और देने दोनों को ही अपराध की श्रेणी में रखा गया है और इस कार्य में मदद करने वाले के लिए भी सजा का प्रावधान किया गया है। इस कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसमें महत्वपूर्ण संशोधन वर्ष 1984 और 1986 किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में धारा 304-बी (दहेज हत्या) शामिल है, जिसके तहत दोषी को कम से कम 7 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। आईपीसी की धारा 498-ए जो विवाहित महिलाओं को उनके पति या ससुराल वालों द्वारा की जाने वाली शारीरिक और मानसिक क्रूरता (दहेज उत्पीड़न) से बचाता है। इसके तहत दोषी पाए जाने पर 3 साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। महिला को शारीरिक या मानसिक रूप से गंभीर क्षति पहुंचाना या आत्महत्या के लिए प्रेरित करना भी इसमें शामिल है। विवाह के सात वर्ष के भीतर यदि महिला की अप्राकृतिक तरीके से मृत्यु होती है तो उसे उचित प्रमाणों के आधार पर दहेज मृत्यु माना जाएगा।

अभी हाल ही का एक हाई प्रोफाइल ट्विशा शर्मा का केस जो सोशल मीडिया पर सुर्खियों में रहा है। पीड़िता ने दहेज उत्पीड़न/घरेलू हिंसा के चलते आत्महत्या की है? या उसकी हत्या हुई है? प्रश्न कई सारे है लेकिन उनके जवाब अभी स्पष्ट नहीं है। ट्विशा शर्मा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थी। ट्विशा के परिवार के मुताबिक़, उनकी मुलाक़ात भोपाल के वकील समर्थ सिंह से 2024 में एक डेटिंग ऐप के ज़रिए हुई थी और दोनों की दिसंबर 2025 में शादी हुई थी। एफ़आईआर के मुताबिक़,शादी के बाद से ही ट्विशा और उनके ससुराल पक्ष के बीच तनाव शुरू हो गया था।

ट्विशा के परिवार का आरोप है कि शादी में दहेज देने के बावजूद उन्हें लगातार ताने दिए जाते थे कि शादी उनके "स्टैंडर्ड" के हिसाब से नहीं हुई। एफ़आईआर में परिवार ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद ट्विशा को खर्च के लिए पैसे नहीं दिए जाते थे और उनके माता-पिता उन्हें ऑनलाइन पैसे भेजते थे।

इसी एफ़आईआर के अनुसार, अप्रैल 2026 में ट्विशा गर्भवती थी। ट्विशा के परिवार का आरोप है कि पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह (पूर्व रिटायर्ड जज) उनके चरित्र पर सवाल उठाते थे। परिवार का कहना है कि मई के पहले सप्ताह में कथित दबाव के बाद ट्विशा का गर्भपात भी करवाया गया था। ट्विशा के परिवार के मुताबिक़ 12 मई की रात क़रीब 9:41 पर ट्विशा ने अपने पिता को व्हाट्सऐप कॉल किया था।

उनके पिता नवनिधि शर्मा का कहना है कि उनकी पत्नी ट्विशा से बात कर रही थीं तभी पीछे से समर्थ सिंह की आवाज़ आई और अचानक फ़ोन कट गया। परिवार का कहना है कि इसके बाद उन्होंने करीब 20 मिनट तक लगातार फ़ोन किए लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। बाद में गिरिबाला सिंह ने फ़ोन उठाया और कहा, "शी इज़ नो मोर"। पुलिस के अनुसार, ट्विशा को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम की शुरुआती रिपोर्ट में मौत की वजह दम घुटना बताया गया। रिपोर्ट में शरीर पर अन्य हिस्सों में कई चोटों का भी ज़िक्र है। इस मामले में भोपाल पुलिस ने छह सदस्यीय एसआईटी का गठन भी किया है।

(स्त्रोत बीबीसी.कॉम) ट्विशा के माता पिता ने एफआईआर दर्ज होने में देरी का भी आरोप लगाया है और उनके अनुसार समर्थ सिंह का परिवार रसूखदार है और मां गिरिबाला सिंह पूर्व जज है वे जांच को प्रभावित कर सकते हैं। उन पर सबूतों को मिटाने के आरोप भी लगाए गए हैं। ट्विशा सामान्य घरेलू महिला नहीं थी उसकी अपनी एक अलग और विशिष्ट पहचान भी थी। ट्विशा मॉडलिंग,अभिनय और ब्यूटी पेजेंट्स से भी जुड़ी हुई थी। वह मिस पुणे भी रह चुकी थी और कई बड़ी कंपनियों के लिए विज्ञापन भी कर चुकी थी। उन्होंने एक तेलुगु फ़िल्म में भी काम किया था। इस तरह के मामलों की एक लंबी लिस्ट है। कुछ मामले सामने आते हैं वहीं कुछ मामले बिना किसी कार्यवाही के दफन कर दिए जाते है या करवा दिए जाते हैं। प्रभावी कानून बनाए जाने के बाद भी समाज में दहेज का लेन देन निर्बाध रूप से जारी है। आज भी सरकारी नौकरी, अधिकारी और कर्मचारी, अदना कर्मचारी या निजी क्षेत्र में कार्यरत लड़कों को उनके पद और वेतन के आधार पर दहेज का निर्धारण किया जाता है। गांधी जी दहेज के लिए कहते थे कि इस प्रथा को समाप्त होना चाहिए। विवाह माता-पिता द्वारा पैसे के जुगाड़ का साधन नहीं रहना चाहिए। इस प्रथा का जाति प्रथा से घनिष्ठ संबंध है। जब तक चयन का क्षेत्र किसी जाति-विशेष के कुछ सौ युवा लड़के अथवा लड़कियों तक सीमित रहेगा,दहेज प्रथा कायम रहेगी,भले ही उसके विरोध में कितनी ही आवाज उठाई जाए। अगर इस बुराई का उन्मूलन करना है तो लड़के-लड़कियों या उनके माता-पिता को जाति बंधन तोड़ने होंगे। इसके लिए हमारी शिक्षा का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो राष्ट्र की युवा पीढ़ी की मानसिकता में क्रांति ला दे। जो युवक दहेज को अपनी शादी की शर्त बनाता है, वह अपनी शिक्षा और देश को बदनाम करता है और स्त्रीत्व का अनादर करता है। लड़कियों के माता-पिता को अंग्रेजी उपाधियों की चकाचौंध में नहीं आना चाहिए और अपनी लड़कियों के लिए सच्चे वीर युवक ढूंढने के लिए अपनी जाति अथवा प्रांत से बाहर जाने में संकोच नहीं करना चाहिए। लेकिन वर्तमान समय में जाति और प्रांत से बाहर के विकल्प खोजने पर भी दहेज प्रथा समाप्त नहीं हो रही है। "सारा आकाश" उपन्यास में सिर्फ निम्न वर्गीय परिवार में दहेज उत्पीड़न और आत्महत्या पर लिखा गया है लेकिन वर्तमान समय में निम्न से लेकर उच्च वर्ग तक कमोबेश एक से हालात है। पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था में दहेज और महिलाओं के शोषण को कभी गंभीरता से नहीं लिया गया है उसे सामान्य और व्यवस्थागत मान लिया गया है। इस सामाजिक सोच से निजात पाने की आवश्यकता है तभी महिलाओं के लिए एक बेहतर भविष्य की कल्पना को साकार किया जा सकेगा।

ईंधन की कीमतें : आम लोगों के सपने धुएं में उड़ गए

सभ्यता का पहिया ईंधन की ताकत से ही चलता है, फिर भी उन्हीं पहियों के नीचे आम आदमी का बुनियादी आजीविका का अधिकार बेरहमी से कुचला जा रहा है। ग्लोबलाइज़ेशन के इस दौर में, पेट्रोल या डीज़ल की कीमत अब केवल एक सामान्य आर्थिक पैमाना नहीं रह गई है; बल्कि यह सरकारी तंत्र के बेशर्म शोषण का एक स्पष्ट पैमाना बन गई है। हर सुबह मिडिल क्लास के चेहरों पर जो बेबसी की परछाईं दिखती है-चाहे वह अखबार खोलते समय हो या पेट्रोल पंप पर डिजिटल मीटर को देखते समय-वह कोई अकेली घटना नहीं है।

यह सोच-समझकर और सिस्टम के तहत किए गए अभाव की कहानी है। घरेलू ईंधन की कीमतों और इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के घटते-बढ़ते दामों के बीच जो अजीब और रहस्यमयी लुका-छिपी का खेल चलता है, वह असल में आम लोगों का क्रूर मज़ाक है। ईंधन की कीमतें तुरंत कम करना आज के समय की सबसे ज़बरदस्त, साफ़ और न नकारी जा सकने वाली मांग बन गई है। लेकिन आज यह मांग इतनी ज़रूरी और अहम क्यों है? ईंधन की कीमतें कम करना न तो कोई ऐशो-आराम की मांग है और न ही सिर्फ़ कुछ समय की राहत की गुज़ारिश; यह पूरी अर्थव्यवस्था की जीवन-रेखा है। यहाँ एक बुनियादी और कभी न बदलने वाला आर्थिक सिद्धांत काम करता है-'कैस्केडिंग इफ़ेक्ट' या 'डोमिनो इफ़ेक्ट'।

ईंधन की कीमतें सिर्फ़ पेट्रोल पंप के मीटर तक सीमित नहीं रहतीं; वे बाज़ार के हर स्तर पर एक अदृश्य, जानलेवा साँप की तरह हमला करती हैं। डीज़ल की कीमत में सिर्फ़ एक रुपये की बढ़ोतरी से सामान ढोने का खर्च बहुत ज़्यादा बढ़ जाता है। नतीजतन, शहरी बाज़ारों में हर चीज़ की कीमतें-आलू-प्याज जैसी ज़रूरी चीज़ों से लेकर जान बचाने वाली दवाओं तक-तेज़ी से बढ़ जाती हैं। मध्यम और निम्न वर्ग के निश्चित आय वाले लोग इस लगातार बढ़ती महंगाई का सबसे ज़्यादा बोझ उठाते हैं। रोज़ाना आने-जाने के खर्च में भारी बढ़ोतरी-चाहे वह लोकल ट्रेन, बस या ऐप-आधारित कैब हो-आम वेतनभोगी कर्मचारियों और कामकाजी वर्ग के मासिक बजट पर सीधा असर डालती है। महीने के आखिर में, वे अपना घर चलाने के लिए ही जैसे-तैसे सांस ले पाते हैं।

इसलिए, ईंधन की कीमतें कम करना न तो सरकार की कोई मेहरबानी है और न ही कोई राजनीतिक तोहफ़ा; बल्कि, यह आम

आदमी की रोज़ की रोटी को बचाने का एकमात्र तरीका है। इक्कीसवीं सदी की मशीनी शहरी ज़िंदगी में एक गहरा मानसिक खालीपन आ गया है। जो व्यक्ति रोज़ाना ज़िंदा रहने के लिए कड़ी मेहनत करता है, वह बेबसी से अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा कॉर्पोरेट सेक्टर और सरकार के मिले-जुले शोषण के कारण कपूर की तरह उड़ते हुए देखता है। लोगों की बचत पूरी तरह खत्म हो चुकी है। लोगों की खरीदने की क्षमता घट रही है, जिससे पूरी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है।

ग्राहकों की मांग कम होने से फैक्ट्रियों में उत्पादन घटता है; इसके परिणामस्वरूप, उत्पादन में कमी से बेरोजगारी और छंटनी का जाना-पहचाना, डरावना साया पूरे देश पर छा जाता है। इसलिए, ईंधन की कीमतें कम करना सिर्फ़ लोगों को व्यक्तिगत राहत देने का ज़रिया नहीं है-यह देश की रुकी हुई अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने का एक असरदार तरीका भी है। जब लोगों की जेब में पैसा होगा, तभी वे बाज़ार में आएंगे और इस तरह अर्थव्यवस्था के रुके हुए पहियों को फिर से गति मिलेगी। हालांकि, यह बहुत अफ़सोस की बात है कि आज सरकार ईंधन को जन-कल्याण के साधन के तौर पर नहीं, बल्कि सिर्फ़ अपना खज़ाना भरने के ज़रिया यानी 'सोने का अंडा देने वाली मुर्गी' के तौर पर देखती है। पेट्रोल और डीज़ल की खुदरा कीमत का एक बड़ा हिस्सा केंद्र सरकार की भारी एक्साइज़ ड्यूटी और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए टैक्स से बना होता है।

जब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में तेल की कीमतें तेज़ी से गिरती हैं, तो उस कीमत में कमी का फ़ायदा आम लोगों की जेब तक नहीं पहुँचने दिया जाता। सरकार चालाकी से टैरिफ़ की दरें बढ़ाती है और उससे होने वाली अतिरिक्त कमाई को अपने खजाने में डाल लेती है। कॉर्पोरेशन और सरकार की इस मिली-जुली लूट के चुपचाप शिकार आम नागरिक ही बनते हैं-वही लोग जो अपनी मेहनत की कमाई से इस लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखते हैं। कल्याणकारी राज्य के उपाय का दिखावा करने वाली यह नीति, जो साफ़ तौर पर जनता के ख़िलाफ़ है, असल में इक्कीसवीं सदी का सबसे बड़ा राजनीतिक पाखंड है। एक स्वस्थ, लोकतांत्रिक और कल्याणकारी राज्य के लिए सबसे ज़रूरी बात यह है कि वह अपने नागरिकों के लिए कम से कम आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करे।

ईंधन की इस संस्थागत लूट को-जिसे चरम राष्ट्रवाद की बातों या विकास के खोखले नारों की आड़ में छिपाया जाता है-हमेशा के लिए जारी नहीं रहने दिया जा सकता। इसलिए, ईंधन की कीमतें कम करना अब सिर्फ़ आर्थिक हिसाब-किताब का मामला नहीं रह गया है; यह एक सामाजिक और नैतिक ज़रूरत बन गया है। राज्य को यह ध्यान रखना चाहिए कि आम लोगों के सब्र की भी एक सीमा होती है। जब तक यह बेरहम 'तेल की राजनीति' खत्म नहीं होती और उस नाज़ुक मोड़ तक पहुँचने से पहले टैक्स का बोझ कम करके ईंधन की कीमतें नहीं घटाई जातीं, तब तक लोगों का जमा हुआ गुस्सा जल्द ही सुनामी की तरह फूट पड़ेगा।

अर्थव्यवस्था को बर्बाद होने से बचाने और लोगों के आजीविका के मौलिक अधिकार का सम्मान करने के लिए ईंधन की कीमतों में तुरंत कमी करना बहुत ज़रूरी है। सरकार किसी भी हाल में आम लोगों को राहत देने की अपनी ज़िम्मेदारी से मुँह नहीं मोड़ सकती। वरना, विकास की यह विशाल इमारत ताश के पत्तों की तरह ढहने में देर नहीं लगाएगी और इसके मलबे के नीचे आम लोगों का बचा-खुचा आखिरी सपना भी दब जाएगा।

लेखक - श्रावन्ति चक्रवर्ती, शिक्षिका

चांदी की मंदी: डरेंगे या खरीदेंगे?

जो चांदी जनवरी 2026 में रॉकेट बनकर रिकॉर्ड हाई पर पहुंची थी, वही अब बाज़ार में सबसे बड़ी हेडलाइन बन गई है अपने गिरते हुए दामों की वजह से। भारतीय बाज़ार से लेकर इंटरनेशनल मार्केट तक, चांदी अपने ऊपरी स्तरों से बड़ा करेक्शन झेल रही है। रिटेल इन्वेस्टर्स इस अचानक उल्टी चाल से हैरान हैं, तो एक्सपर्ट्स इसके पीछे की वजहें ढूँढने में लगे हैं। और सच कहूं, मैं भी पिछले हफ्ते अपने सुनार के पास गया तो वो भी यही पूछ रहा था कि "अब लूं या रुकूं?"

चार बड़ी वजहें एक साथ काम कर रही हैं

यूएस का सख्त रुख : अमेरिकी सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है, बल्कि दिसंबर तक रेट हाइक के संकेत दे दिए। आसान भाषा में समझें तो जब बैंक में पैसा रखने पर ही ज़्यादा ब्याज मिलने लगे, तो लोग चांदी जैसी चीज़ में पैसा क्यों फंसाएं, जिसमें कोई ब्याज नहीं मिलता? यही वजह है कि बड़े इन्वेस्टर्स चांदी से पैसा निकालकर सेफ बॉन्ड्स में लगा रहे हैं।

डॉलर की दादागिरी : ये दुनिया जानती है कि डॉलर इंडेक्स एक साल के हाई पर है। डॉलर मज़बूत होने का मतलब है रुपये में चांदी खरीदना अब महंगा हो गया है, जिससे डिमांड घट गई।

टेंशन कम, मुनाफ़ा ज़्यादा : अमेरिका-ईरान के बीच हुए 'स्टैंड डाउन' समझौते और दोहा में चल रही सीक्रेट बातचीत ने मिडिल ईस्ट का तनाव कम कर दिया। जब डर कम होता है, तो लोग सेफ-हेवन (यानी खतरे के वक़्त खरीदी जाने वाली चीज़) बेचकर मुनाफ़ा बुक करते हैं... यही अब हो रहा है।

इंडस्ट्री ने रास्ता बदला : चांदी सिर्फ़ ज्वेलरी नहीं, सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ईभी में भी लगती है। जब दाम बहुत बढ़ गए थे, तो कई कंपनियों ने लागत बचाने के लिए चांदी का अल्टरनेटिव ढूंढना शुरू कर दिया लिहाज़ा इससे डिमांड में अस्थायी कमी आई।

इन सबका असर डबल हो गया जब फ्यूचर्स मार्केट में ऊंचे दाम पर दांव लगाने वाले छोटे निवेशक घबराकर बिकवाली करने लगे, और ग्लोबल सिल्वर 'ईटीएफ' से भी पैसा निकलने लगा। नतीजा ये हुआ कि हर ऊंचे स्तर पर बिकवाली, बाज़ार पूरी तरह बेयरिश।

तो अब करें क्या?

सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या ये एंट्री का सही टाइम है? एनालिस्ट्स कहते हैं, शॉर्ट-टर्म में डॉलर के दबाव से चांदी में थोड़ी और गिरावट या ठहराव दिख सकता है। लेकिन बुनियादी तस्वीर अभी भी मज़बूत है क्योंकि दुनिया में चांदी की सप्लाई अब भी डिमांड से कम है, और यह बदलने वाला नहीं है।

मेरी राय में, यही वो मौका है जिसका धनतेरस और शादियों के सीज़न में हर साल इंतज़ार रहता है। जो लोग ज्वेलरी या बर्तन खरीदने की सोच रहे थे, उनके लिए यह बजट फ्रेंडली मौका है। और निवेशकों के लिए सलाह सीधी है कि घबराकर घाटे में मत बेचो, और एक साथ सारा पैसा भी मत लगाओ। 'बाय ऑन डिप्स' यानी हर गिरावट पर थोड़ा-थोड़ा खरीदना... यही इस वक़्त की सबसे समझदार स्ट्रेटेजी है। आखिर में बात सीधी है कि मार्केट में डर हमेशा शोर बहुत करता है, पर मौका हमेशा चुपके से आता है। और जो इस शोर में शांत रहकर सोच-समझकर खरीदता है, इतिहास हमेशा उसी के साथ रहा है।

लेखक - आरजे राकेश

आज का राशिफल

मेष – वाणी के असंयम से परिचितों को नाराज कर देंगे, आध्यात्मिक अभिरूचि में वृद्धि होगी, धार्मिक सत्संग बना रहेगा, रूके कार्यो के बनने का योग है।

वृषभ – लिये गये फैसले को बदलने की स्थिति बनेगी, कारोबारी यात्रा होगी, खानपान की अनियमितता रहेगी, शारीरिक श्रम अधिक करना होगा।

मिथुन – भूमि भवन के क्रय विक्रय से लाभ मिलेगा, ले-देकर काम कराने की योजना सफल होगी, व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी, जीवनसाथी के सहयोग से नवीन कार्य में सफलता मिलेगी।

कर्क – वैचारिक गतिरोध दूर होगा, कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी,उत्सव समारोह में सम्मिलित होंगे, भूमि भवन मकान, आदि का काम बनेगा।

सिंह – लोग दबाव बनाने का प्रयास करेंगे, विवादास्पद मामले सुलझेंगे, धन व्यय की अधिकता रहेगी, परिश्रम एवं भागदौड़ करना होगी, अनुशासन बना रहेगा।

कन्या – कारोबारी विस्तार की योजना सफल होगी, मनोबल बना रहेगा, साहसिक प्रयत्नों से शत्रुओं का शमन होगा, धार्मिक कार्यो की पूर्ति होगी।

तुला – जिद में लिये निर्णय जी का जंजाल बनेंगे, सलाह लेकर काम करना लाभकारी रहेगा, आत्म विश्वास एवं परिश्रम से लाभ होगा, नया अवसर प्राप्त होगा।

वृश्चिक – बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, कानूनी मामले सुलझेंगे, आर्थिक कार्यो में सफलता मिलेगी, जोखिम के कार्यो से बचने का प्रयास करें।

धनु – अधिकारियों से मेलजोल में अच्छी सफलता मिलेगी, भूमि भवन का काम बनेगा, शारीरिक सुख एवं मानसिक प्रसन्नता रहेगी, कामकाज के प्रति उत्साह रहेगा।

मकर – समय के साथ तौर तरीकों में बदलाव का मन बनेगा, धीमी गति से चल रही योजना में तेजी आयेगी, आय से अधिक व्यय होगा, विशिष्टजनों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ – रोक-टोक से वाद विवाद की स्थिति निर्मित होगी, धैर्य रखकर कार्य करना अच्छा है, आकस्मिक धन लाभ होगा, गुप्त शत्रुओं से हानि संभव।

मीन – अध्ययन में अच्छी सफलता मिलेगी, व्यापारिक साझेदारी लाभकारी रहेगी, नौकरी में अनुकूलता रहेगी, अधिकारी वर्ग सहयोग करेंगे, मांगलिक कार्यो पर व्यय होगा।

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को मूल नक्षत्र के प्रभाव से चीनी, रूई, कपास, खांड, सन, जूट, पाट, आदि के भाव में मंदी होगी, गेहूँ, जौ, चना, उड़द, मूँग, के भाव में तेजी का रूख रहेगा। अलसी, अरंडी, में गिरावट होगी. भाग्यांक 2631 है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में यमुना जल परियोजना का एमओए

यमुना जल समझौताः प्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण शेखावाटी क्षेत्र को अब यमुना का पानी मिल सकेगा

चमकता राजस्थान

जयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली के कर्त्तव्य भवन में यमुना जल परियोजना को लेकर राजस्थान और हरियाणा के बीच मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) किया गया।
इस एमओए पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हस्ताक्षर किए।

● यमुना जल समझौता सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरणः केंद्रीय गृह मंत्री

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि यमुना जल समझौते से हरियाणा और राजस्थान के लोगों की पानी से जुड़ी लगभग 3 दशक पुरानी समस्या का आज समाधान हो गया है। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए सहकारी संघवाद के मंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
इस समझौते से विशेषकर राजस्थान में पीने के पानी की समस्या के निवारण मिलेगी। में बहुत सहायता जिससे धरती की प्यास बुझेगी और कंठों की भी। शाह ने कहा कि समझौते में वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझीकरण, जल आवंटन और जल छोड़ने के प्रोटोकॉल और रखरखाव का बारीकी से ध्यान रखा गया है। इस वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण समझौते में बुनियादी ढांचे का संचालन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता के उपायों और विवाद समाधान की प्रक्रिया को भी बहुत बढ़िया तरीके से समाहित किया गया है। हरियाणा, राजस्थान और विशेषकर केंद्रीय जल आयोग ने इस समझौते का जो प्रारूप बनाया है, वह आने वाले कई दशकों तक विवादहीन समझौते के रूप में स्थापित रहेगा।

● यमुना जल समझौता अंतरराज्यीय जल संसाधन प्रबंधन का मॉडलः केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में जल सुरक्षा, जल संरक्षण और राज्यों के बीच समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।
वर्ष 1994 में ऊपरी यमुना बेसिन राज्यों के मध्य समझौते के तहत राजस्थान को ताजेवाला हैड पर 1917 क्यूसेक जल आवंटित किया गया था।
किंतु प्रवाह प्रणाली के अभाव में 32 वर्षों तक राजस्थान अपने हिस्से के जल का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाया। पिछले कुछ वर्षों में इस विषय पर सकारात्मक संवाद और प्रयास किए गए। जिसकी निरंतरता में फरवरी 2024 में हरियाणा एवं राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में भूमिगत पाइपलाइन से जल हस्तांतरण के लिए संयुक्त डीपीआर तैयार करने का निर्णय लिया गया।
जून 2026 को आयोजित बैठक में परियोजना क्रियान्वयन रूपरेखा पर दोनों राज्य के साथ सहमति भी बनी। आज केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के की अमित शाह की अध्यक्षता में एमओए को अंतिम रूप प्रदान किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत हथिनीकुंड बैराज से भूमिगत पाइपलाइन द्वारा चूरू, सीकर, झुंझुनूं सहित अन्य जल क्षेत्रों को पेयजल की दीर्घकालिक पूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती पूजा-हवन के साथ मानपुरा विद्यालय का विधिवत शुभारंभ

● ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यार्थियों-अभिभावकों में दिखा उत्साह

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी। उपखण्ड क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम पंचायत अमीरामा के स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय मानपुरा विद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ ग्रीष्मावकाश के बाद एक अनूठी और ऐतिहासिक पहल के साथ किया गया। ग्रामीणों ने मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना कर विधि-विधान से पूजा के बाद मां सरस्वती मंदिर में मूर्ति के सामने सूक्ष्म हवन किया। हवन में विद्या की देवी मां शारदे को प्रसन्न करने के लिए आहुतियां दी गईं। गणपति सहित सभी देवी-देवताओं का आह्वान कर उनके नामों की बारी-बारी से आहुतियां दी गईं। इस दौरान विद्यार्थियों में सद्गुणों के सर्वांगीण विकास, बलवान, विद्यावान और संस्कारवान होने की कामना की गई। ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने हवन में आहुतियां दीं। इससे पूर्व संस्था प्रधान भगवत सिंह शक्तावत ने ग्रामीणों के सहयोग से मां शारदे और बालाजी के समक्ष घृत एवं तेल के दीप प्रज्ज्वलित कर अनुष्ठान का शुभारंभ किया। पूर्णाहुति के समय सभी ने विद्यालय, विद्यार्थियों, गांव और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की कामना की। साथ ही विद्यालय हमारा श्रेष्ठ और एक तीर्थ का स्वरूप ले, ऐसी कामनाएं की गईं। अध्यापक सतपाल धाकड़ ने बताया कि आज से विद्यालय नियमित रूप से खुल गया है और शैक्षिक, सह-शैक्षिक एवं भौतिक गतिविधियां संचालित होना शुरू हो गई हैं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि विद्यार्थियों को नियमित रूप से समय पर विद्यालय भेजें। इस अवसर पर फतेह सिंह मीणा, खेमराज मीणा, बाबूलाल मीणा, गोकुल सिंह मीणा, नाथू सिंह मीणा सहित कई गणमान्य लोग आदि उपस्थित रहे।

बागेलो का खेड़ा स्कूल में प्रवेशोत्सव मनाया

● नव प्रवेशी बच्चों का तिलक-उपहरना पहनाकर स्वागत किया

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा। बड़ी सादड़ी उपखंड क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम पंचायत किरतपुरा के स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बागेलो का खेड़ा में 29 जून को प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के जिला अध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल द्वारा संस्था प्रधान यशवंत कुमार सोनी, लाभचंद धाकड़, विनोद कुमार जटिया, मोनू कुमार मीणा, रेखा सारंगदेवत एवं एसएमसी सदस्य मनोहर सिंह कमल आदि का तिलक लगाकर उपहरना पहनाकर स्वागत किया गया। संस्था प्रधान यशवंत कुमार सोनी ने नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर, उपरणा पहनाकर एवं गुड़ खिलाकर विद्यालय में प्रवेश दिया। स्कूल में प्रवेश लेने वाले नव प्रवेशी बच्चों के चेहरे खिल उठे। उक्त जानकारी राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के जिला अध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल ने दी

जनसमस्याओं को लेकर बीएसपी का सरकार पर हमला, मुख्यमंत्री के नाम 10 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो रिपोर्ट कयूम खान/जालौर। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) जिला इकाई ने सोमवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम 10 सूत्रीय मांगपत्र सौंपते हुए प्रदेश व जालौर जिले की विभिन्न जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने, सरकारी विभागों के रिक्त पदों पर जल्द भर्ती करने, किसानों एवं मजदूरों को आर्थिक राहत देने, प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने, भूमिहीन परिवारों को निःशुल्क आवासीय पट्टे जारी करने, हर घर तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की गई। इसके अलावा जालौर जिले में तालाबों की जल भंडारण क्षमता बढ़ाने, जवाई बांध से जिले के लिए नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार के मामलों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग उठाई गई। बीएसपी ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी जनहित में आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होगी।

डग पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 48 किलो अफीम डोडा चूरा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/डग-29 जून(कुन्दन व्यास)। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत थाना डग पुलिस व जिला स्पेशल टीम झालावाड़ ने संयुक्त कार्रवाई में 48 किलो 430 ग्राम अफीम डोडा चूरा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से तस्करी में प्रयुक्त मारुति सुजुकी एसएक्स-4 कार भी जब्त की गई है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द मीणा के निर्देशन व डीएसपी गंगधार हेमन्त कुमार गौतम के सुपरविजन में थानाधिकारी भंवर सिंह की टीम शनिवार 28 जून को गश्त पर थी।ग्राम रतनपुरा की ओर से आ रही हल्के आसमानी रंग की कार को चौकड़ी खुर्द के खाल की पुलिया पर रोकने का प्रयास किया गया।चालक ने भागने के लिए कार तेज स्पीड से बैक ली, जिससे कार सड़क से नीचे खाल में लटक गई। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को डिटेन किया।तलाशी में कार की डिग्गी से प्लास्टिक के दो कट्टों में तथा बीच की सीट से एक कट्टे में भरा अफीम डोडा चूरा मिला। तीनों कट्टों का कुल वजन 48 किलो 430 ग्राम पाया गया। आरोपियों के पास परिवहन का कोई अनुज्ञापत्र नहीं था।

जिला कलेक्ट्रेट पर शिवसेना का जोरदार प्रदर्शन, तीन बड़े मुद्दों पर प्रशासन को घेरा

चमकता राजस्थान

जालोर ब्यूरो रिपोर्ट कयूम खान। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जालोर के नेतृत्व में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पर जनहित के तीन प्रमुख मुद्दों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। संगठन ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की।
प्रदर्शन के दौरान भैंसवाड़ा निवासी स्वर्गीय अमृत देवासी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच एवं आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई गई। संगठन ने आरोप लगाया कि करीब तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल सका है।
दूसरे ज्ञापन में एफआईआर संख्या 157/2025 से जुड़े फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी, फर्जी नोटरी और भूमि हड़पने के मामले में निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच की मांग की गई। शिवसेना ने फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई और एफएसएल रिपोर्ट जल्द प्राप्त करने की मांग रखी।
तीसरे ज्ञापन में जवाई नदी में हो रहे अवैध एवं अनियमित बजरी खनन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने आरोप लगाया कि अवैध खनन से पर्यावरण, भूजल स्तर और किसानों के हितों को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है।

● जवाई नदी बचाओ आंदोलन को मिली बड़ी सफलता

धरने के दौरान प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अउट स्तर के अधिकारी द्वारा जवाई नदी क्षेत्र का निरीक्षण कराने का आश्वासन दिया। साथ ही जांच में दोषी पाए जाने पर बजरी ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई का भरोसा भी दिया। प्रशासन के सकारात्मक आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया गया।
शिवसेना एवं जवाई बचाओ संघर्ष समिति ने कहा कि जवाई नदी पूरे क्षेत्र की जीवनरेखा है और इसके संरक्षण के लिए जनआंदोलन आगे भी जारी रहेगा। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि तीनों मामलों में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा।

भाविप सेवा पखवाडा- नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान के तहत नशा मुक्ति शपथ दिलाई

चमकता राजस्थान

जालौर ब्यूरो रिपोर्ट कयूम खान /फोटो साबिर सागर। भारत विकास परिषद के संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश की जयंती के अवसर पर आयोजित किए जा रहे सेवा पखवाड़े के तहत रविवार सायं स्टेशन रोड स्थित नेहरू उद्यान में नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर हस्ताक्षर अभियान के तहत नशा नहीं करने का संकल्प दिलाया गया। प्रांतीय संयोजक सेवा मदनलाल माली ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा नशा आज हमारे समाज को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है ,यह केवल एक व्यक्ति की प्रगति नहीं रोकता, बल्कि यह पूरे परिवार समाज और राष्ट्र के विकास को रोक देता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, जोधपुर से पधारे हुए परिषद जोधपुर शाखा के पूर्व संरक्षक सेवा निवृत्त प्रोफेसर डॉ . महावीर प्रसाद भूतड़ा ने बताया कि नशा जीवन में धीरे-धीरे प्रवेश करते हुए शारीरिक रोग, व्यक्तित्व पतन ,आर्थिक तबाही, सामाजिक अपराध जैसे कृत्यों को जन्म देते हुए युवाओं की बर्बादी का कारण बनता है ,इसका समाधान हमें नशा छोड़ने की मजबूत इच्छा शक्ति ,परिवार का साथ और सही चिकित्सा परामर्श से संभव है । सचिव शांतिलाल सोनी ने कहा कि सभी को भारत सरकार के नशा मुक्ति अभियान से जुड़कर जन-जन तक नशा नहीं करने का संदेश पहुंचाएं ,मानव जीवन अनमोल है, इसे नशे में बर्बाद नहीं करे,हम खुद भी नशे से दूर रहेंगे और अपने समाज को भी नशा मुक्त बनाएंगे । अंत में शाखा अध्यक्ष राजेंद्र भूतड़ा द्वारा परिसर में मौजूद करीब 92 व्यक्तियों को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर परिषद के संस्थापक अध्यक्ष डॉ हेमंत जैन, डॉ. महावीर प्रसाद भूतड़ा, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष पदमाराम चौधरी, राजेंद्र भूतड़ा, शांतिलाल सोनी,शाखा संयोजक सेवा कमल किशोर भूतड़ा, शाखा संयोजक संस्कार महेंद्र आनंद वैष्णव, सहित कई परिषद सदस्य, आम नागरिक, एवं मातृ शक्ति उपस्थित रही।

24 घंटे में ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, पति की हत्या के बाद नहाई और कपड़े धोएं फिर करने लगी रोने का नाटक, पुलिस ने किया पत्नी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के दौसा के थाना सदर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए महज 24 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक की पत्नी ममता बैरवा को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया गया है।
पुलिस के अनुसार 27 जून 2026 की शाम चावण्ड रोड पर एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान रमेश बैरवा (40) निवासी खवारावजी, हाल निवासी चावण्ड के रूप में की। घटनास्थल पर खून से लथपथ शव के पास पत्थर और टूटी कांच की बोतलें मिलीं।
जांच में सामने आया कि मृतक रमेश अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था, जिससे दोनों के बीच लगातार विवाद होता था। इसी घरेलू कलह के चलते आरोपी ममता ने एक किशोर के साथ मिलकर शराब के नशे में धुत रमेश पर पत्थरों से कई वार किए और सिर कुचलकर हत्या कर दी। राजस्थान पुलिस की सदर दौसा टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश कर दिया।

दौसाः शहरी सेवा शिविरों की प्रगति की समीक्षा, फ्री होल्ड पट्टों व भू-उपयोग परिवर्तन में तेजी लाने के निर्देश

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। डॉ. सौम्या झा ने सोमवार को जिला कलक्ट्रेट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शहरी सेवा शिविरों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टों के निस्तारण, भू-उपयोग परिवर्तन सहित विभिन्न लंबित प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिए।
जिला कलक्टर ने कहा कि शहरी सेवा शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन को त्वरित राहत उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। फ्री होल्ड पट्टों और भू-उपयोग परिवर्तन प्रकरणों की अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को लंबित आवेदनों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।
उन्होंने उपखंड अधिकारियों को शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा शिविरों में प्राप्त मामलों के साथ पूर्व से लंबित प्रकरणों को भी प्राथमिकता से निस्तारित करने को कहा। साथ ही शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए अधिकाधिक नागरिकों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।
बैठक में फायर एनओसी, नालियों की सफाई, स्ट्रीट लाइट सुधार, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, भवन मानचित्र स्वीकृति तथा पट्टा वितरण सहित कई मुद्दों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

वाल्मीकि समाज ने अपनी प्रमुख मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम गंगधार उपखण्ड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान

उन्हेल नागेश्वर/ गोवर्धन सिंह। झालावाड़ जिले के गंगधार उपखण्ड क्षेत्र में राष्ट्रीय वंचित वर्ग न्याय अधिकार परिषद के राष्ट्रीय सचिव एवं वाल्मीकि समाज अध्यक्ष योगेश परमार के नेतृत्व में सोमवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम उपखंड अधिकारी गंगधार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में प्रदेश में प्रस्तावित 25 हजार सफाई कर्मचारियों की भर्ती को लेकर समाज की विभिन्न प्रमुख मांगें रखी गईं।
योगेश परमार ने बताया कि आगामी सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज के परंपरागत अनुभवी एवं वर्तमान में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही सरकारी, गैर-सरकारी संस्थानों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य विभागों में वर्षों से कार्यरत अस्थायी सफाई कर्मचारियों को भर्ती में वरीयता देने की मांग की गई।
ज्ञापन में मांग की गई कि भर्ती प्रक्रिया लॉटरी प्रणाली के माध्यम से सीधी की जाए, ताकि भ्रष्टाचार की संभावना समाप्त हो सके। इसके अलावा वाल्मीकि समाज के जाति प्रमाण पत्र को ही अनुभव का आधार माना जाए, भर्ती को आरक्षण मुक्त किया जाए, पूर्व में न्यायालयीन प्रकरणों में लंबित सफाई कर्मचारियों को नियुक्ति दी जाए तथा नवगठित नगरपालिकाओं में भी सफाई कर्मचारियों के पद स्वीकृत किए जाएं।
समाज ने राज्य में सफाई व्यवस्था की ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर समान काम, समान वेतन का सिद्धांत लागू करने की भी मांग उठाई।
ज्ञापन का वाचन अखिल भारत वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव गोरधन परमार ने किया। उन्होंने मुख्यमंत्री से समाज की मांगों पर संवेदनशीलता के साथ शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया।
इस अवसर पर कृष्ण सिंह मेहरा (प्रदेश सचिव, भीम आर्मी), रामभजन मिरोलिया, रमेश चौहान, चंद्रलाल, विनोद संगत, राजाराम पथरोड़, विजय, अनिल, सुनील, अरुण, रवि, लक्की, राहुल चौहान (चौमहला), अरुण कलोसिया, राजूलाल (डग), मुकेश बारवासिया (पाड़लिया) सहित उन्हेंल, नागेश्वर, कीतिया, मकोड़िया, जगदीशपुरा, बेडला, रोज़ाना एवं विशनिया सहित आसपास के गांवों के वाल्मीकि समाज के लोग एवं भीम आर्मी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बालोतरा: 40 लाख के बीमा क्लेम के लिए मां की उम्र 16 साल घटाने का आरोप, मामले की जा रही जांच

चमकता राजस्थान

बालोतरा। राजस्थान के बालोतरा जिले के धोरीमन्ना में करोड़ों नहीं बल्कि लाखों रुपये के बीमा क्लेम के लिए कथित तौर पर दस्तावेजों में बड़े स्तर पर हेरफेर करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ग्राम पंचायत कोलियाना की पूर्व सरपंच एवं कैंसर पीड़ित अगपी देवी की मृत्यु के बाद उनके नाम पर 40 लाख रुपये का बीमा क्लेम लेने के उद्देश्य से सरकारी रिकॉर्ड में उनकी जन्मतिथि बदल दी गई। मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार अगपी देवी की वास्तविक जन्म वर्ष 1955 बताया गया है, लेकिन बीमा योजना की पात्रता के दायरे में लाने के लिए दस्तावेजों में जन्म वर्ष बदलकर 1971 दर्ज कर दिया गया। इस बदलाव से उनकी उम्र लगभग 16 वर्ष कम दर्शाई गई। पुलिस का मानना है कि ऐसा इसलिए किया गया ताकि अधिक राशि का जीवन बीमा कराया जा सके।

जानकारी के अनुसार अगपी देवी पिछले दो वर्षों से कैंसर से पीड़ित थीं और उनका उपचार जोधपुर स्थित एम्स में चल रहा था। आरोप है कि मृत्यु से 13 दिन पहले, 15 जनवरी 2025 को बाड़मेर के एक निजी अस्पताल से कथित रूप से फर्जी फिटनेस प्रमाण-पत्र तैयार करवाकर उनके नाम पर 40 लाख रुपये का जनरल लाइफ इंश्योरेंस कराया गया। इसके अलावा ओरिएंटल इंश्योरेंस से करीब 70 लाख रुपये के दो अन्य बीमा भी कराए जाने की बात जांच में सामने आई है।

मामले में एक और चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि यदि दस्तावेजों में दर्ज 1 जनवरी 1971 की जन्मतिथि सही मानी जाए, तो अगपी देवी की बड़ी बेटी के जन्म के समय उनकी उम्र मात्र 3 वर्ष और दूसरी बेटी के जन्म के समय 6 वर्ष बैठती है, जो जैविक और कानूनी रूप से असंभव है। इसी विसंगति ने जांच एजेंसियों का ध्यान आकर्षित किया और दस्तावेजों की गहन जांच शुरू हुई।

जांच में यह भी सामने आया कि अगपी देवी की मृत्यु बीमारी के कारण हुई थी, लेकिन बीमा क्लेम प्राप्त करने के लिए इसे दुर्घटना साबित करने का प्रयास किया गया। पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज कराया गया कि 27 जनवरी 2025 की शाम वह मकान की छत से गिर गई थीं, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण गंभीर बीमारी का अंतिम चरण बताया गया। पुलिस और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अंतर सामने आने के बाद पूरे मामले पर संदेह गहरा गया।

मामले में यह भी आरोप है कि बीमा क्लेम को मजबूत बनाने के लिए पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की मिलीभगत से रोजनामचे में दुर्घटना संबंधी एंट्री दर्ज करवाई गई। इस पहलू की भी अलग से जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री धामी ने कराटे खिलाड़ी को किया सम्मानित

चमकता राजस्थान/देहरादून।(दीपक शर्मा बामनवास) मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज 11 वर्षीय प्रतिभाशाली कराटे खिलाड़ी क्रियांश कौशिक को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। क्रियांश आगामी अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चीन जा रहे हैं। इतनी कम उम्र में उनकी यह उपलब्धि पूरे उत्तराखण्ड के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने क्रियांश को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि क्रियांश चीन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे तथा खेल जगत में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे।

ठाणे के कैलासनगर के नाले में बाढ़ जैसी स्थिति; नगरसेवक मनोज शिंदे ने किया तत्काल निरीक्षण

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/ठाणे। कैलासनगर क्षेत्र में ममता स्टोर के पीछे स्थित नाले में बाढ़ जैसी स्थिति बनने की सूचना मिलते ही नगरसेवक मनोज शिंदे ने तुरंत घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों से बहकर आई पेड़ों की शाखाएं, पत्थर और अन्य मलबा नाले में फंस गया था, जिससे पानी का प्रवाह बाधित हो गया। इसके चलते आसपास के इलाके में जलभराव की स्थिति बन गई और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल पैदा हो गया। इस दौरान महिला विभाग प्रमुख सौ. साक्षी ताई पठाणे, उपविभाग प्रमुख बाला विणकरे, उपशाखा प्रमुख शहाजी सारंग, बबन पांडे और अशोक चव्हाण भी मौजूद रहे। नगर निगम के संबंधित अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर नागरिकों को होने वाली परेशानी से बचाने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

नाले में फंसे अवरोधों को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है, ताकि पानी का प्रवाह सुचारु हो सके और क्षेत्र में सामान्य स्थिति जल्द बहाल की जा सके। नगरसेवक मनोज शिंदे ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन और शिवसेना पदाधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और क्षेत्र को जल्द से जल्द सामान्य बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

उपखण्ड अधिकारी दिव्यांश सिंह की अवैध खनन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

- निरीक्षण के दौरान जेसीबी, डंपर सहित चार वाहन जब्त, खनन विभाग को वैधानिक कार्रवाई के निर्देश

चमकता राजस्थान/ब्यावर। जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में उपखण्ड अधिकारी ब्यावर दिव्यांश सिंह ने सोमवार को क्षेत्र का निरीक्षण कर ग्राम पंचायत अनाकार के समीप अवैध खनन गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की।

निरीक्षण के दौरान मौके पर अवैध खनन में संलिप्त पाए जाने पर एक जेसीबी, एक डंपर एवं दो ट्रैक्टर सहित कुल चार वाहनों को जब्त किया गया। उपखण्ड अधिकारी दिव्यांश सिंह ने खनन विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जब्त किए गए चारों वाहनों को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए जवाजा थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध खनन अथवा खनिजों के अवैध परिवहन की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन अथवा संबंधित विभाग को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

पेपर लीक के खिलाफ छात्रों की बुलंद आवाज; 'छात्रों की गूंज' अभियान को ठाणे में उत्साहपूर्ण समर्थन

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/ठाणे। देशभर में लगातार सामने आ रही परीक्षा पेपर लीक की घटनाओं से छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ के खिलाफ युवा कांग्रेस ने 'छात्रों की गूंज' अभियान के माध्यम से छात्रों की आवाज देशभर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। ठाणे के ठाणा कॉलेज परिसर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लेकर शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा राजस्थान के कोटा में छात्रों से संवाद के साथ शुरू किए गए 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत ठाणे में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। ठाणे शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राहुल पिंगळे के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष दिप्तेश परब तथा ठाणे शहर युवा कांग्रेस प्रभारी प्रशांत पारवे की उपस्थिति में युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने छात्रों से सीधे संवाद किया।

इस दौरान छात्रों ने परीक्षा पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं, प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाली कठिनाइयों तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रखी। अभियान के लिए उपलब्ध कराए गए क्यूआर कोड और मोबाइल नंबर के माध्यम से बड़ी संख्या में छात्रों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दर्ज कराईं और शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शी एवं विश्वसनीय व्यवस्था की मांग की।

ग्राम पंचायत जाम्बा में ग्राम सभा आयोजित

- प्रधानमंत्री आवास योजना और विकसित भारत संकल्प यात्रा के विकास कार्यों का हुआ अनुमोदन

चमकता राजस्थान/सियाराम विश्नोई/ जाम्बा। ग्राम पंचायत जाम्बा में आज एक महत्वपूर्ण ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सरपंच मनोहरराम गीला ने की। इस विशेष बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 'आवास प्लस 2024' के अंतर्गत किए गए सर्वे के आधार पर तैयार ड्राफ्ट वरीयता सूची का अनुमोदन किया गया। साथ ही, 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' योजना के तहत ग्राम पंचायत के आगामी विकास कार्यों की कार्ययोजना पर चर्चा कर उसे मंजूरी दी गई।

ग्राम सभा को संबोधित करते हुए सरपंच मनोहरराम गीला ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र गरीब परिवारों का निष्पक्ष सर्वे किया गया है, ताकि कोई भी जरूरतमंद आवास की सुविधा से वंचित न रहे। उन्होंने आश्वस्त किया कि जो परिवार अभी सूची में नहीं हैं, उनके नाम आगामी विकास कार्यों और सर्वेक्षणों के दौरान नियमानुसार जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में ग्राम विकास अधिकारी सुमन जाखड़ ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान सोनाराम सियाग, अनिल मांजु, गोर्धनसिंह सहित पंचायत के अन्य वार्ड पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गौड़ ब्राह्मण महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

- सर्व सहमति से दिनेश गौड़ को पुनः जिलाध्यक्ष चुना गया

चमकता राजस्थान/मनीष मेहता जोधपुर। सिंधु महल चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान की जोधपुर इकाई का प्रतिभा ०वृद्धजन सम्मान आयोजित किया गया ।

कक्षा 10th,12th में 90 % तथा 80 वर्ष से अधिक वरिष्ठतम नागरिकों को सम्मानित किया गया। मात्र शक्ति , युवा शक्ति और मुख्य कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी हुआ ।दिनेश गौड़ को पुनः जोधपुर का जिलाध्यक्ष व डॉ क्षितिज महर्षि को संरक्षक नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवम सत्र न्यायाधीश पूरण जी शर्मा थे। प्रदेशाध्यक्ष... विजय जी हरितवाल, प्रदेश महामंत्री... रामस्वरूप जी जोशी, और युवा प्रदेशाध्यक्ष श्री पंकज पचलंगिया के साथ विभिन्न जिलों के अध्यक्ष ओर संभाग प्रभारी जगदीश शर्मा,ओर युवा संभाग प्रभारी जोगेंद्र गौड के साथ मातृशक्ति महिला अध्यक्ष जसोदा गौड की पूरी टीम ओर युवा अध्यक्ष मुरली धर गौड की पूरी युवा टीम के साथ सैकड़ों गौड़ समाज के लोग उपस्थित रहे । समाज के कई भामाशाह,ओर वरिष्ठ नागरिकों को ओर कई प्रतिभावान छात्रों को गौड विभूषण सम्मान से नवाजा गया उन्हें प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो भेट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सुभाष शर्मा ओर संजय गौड़ ने किया ।

समय पर लड़के-लड़कियों की शादी का नहीं होना समाज की बड़ी समस्या: मुकेश कुमार

चमकता राजस्थान

दौसा (दीपक शर्मा बामनवास)। समाज सेवी एवं श्री महर्षि गौतम आश्रम सेवा समिति खुर्रा के जिला मंत्री मुकेश कुमार नारोली चौड़ ने बताया कि हमारे गुर्जर गौड़ ब्राहमण समाज में बच्चों की शादीयों की बड़ी समस्या बनती जा रही है।

समाज में लड़कों की शादीयां नहीं होने के सबसे बड़े कारण

मध्यस्थ (रिश्ता करवाने वाले) आज पीछे क्यों हट रहे हैं?

एक समय था जब गाँव के बुजुर्ग, रिश्तेदार या समाज के सम्मानित लोग खुशी-खुशी विवाह संबंध जोड़ने की जिम्मेदारी निभाते थे। उनके शब्दों का सम्मान होता था और दोनों परिवार उन पर विश्वास करते थे।

लेकिन आज परिस्थितियाँ बदल गई हैं।

अक्सर सुनने को मिलता है–

'देखेंगे'

'सोचेंगे'

'बात करेंगे'

जैसे जवाब लेकिन वास्तव में कोई आगे आने को तैयार नहीं होता।

इसके पीछे का कारण खोजें तो एक कड़वी सच्चाई सामने आती है।

मध्यस्थ का काम केवल दो परिवारों को मिलाना होता है।अंतिम निर्णय लड़का-लड़की और उनके परिवार स्वयं लेते हैं।

फिर भी विवाह के बाद यदि कोई विवाद, मतभेद, अलगाव या अन्य समस्या उत्पन्न हो जाए, तो सबसे पहले उंगली मध्यस्थ पर ही उठाई जाती है।

₹आपने ठीक से जांच-पड़ताल नहीं की।

₹आपने सही जानकारी नहीं दी।

₹आपकी वजह से हमारे साथ धोखा हुआ।

जैसी बातें सुनने को मिलती हैं

विवाह सफल हो जाए तो कोई मध्यस्थ की प्रशंसा नहीं करता,लेकिन यदि कुछ गलत हो जाए तो पूरा दोष उसी के सिर मढ़ दिया जाता है।

इसी कारण अनेक अनुभवी और सज्जन लोगों ने इस कार्य से स्वयं को दूर रखना ही उचित समझा है।

सु.खेड़ा में 'ग्रामीण सेवा शिविर' बना वरदान: बरसों पुराना बंटवारा हुआ हल, ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

चमकता राजस्थान

सेमारी। सु.खेड़ा। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर' वास्तविक अर्थों में ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं ऐसा ही एक सुखद और संवेदनशील वाकया पंचायत समिति की ग्राम पंचायत सु.खेड़ा में देखने को मिला जहाँ प्रशासन की मुस्तैदी से ग्रामीणों के बरसों पुराने अटके काम मौके पर ही पूरे हो गए शिविर का आयोजन उपखंड अधिकारी सर्वेश्वर निम्बार्क विकास अधिकारी सुभाष मधुकर तहसीलदार डूंगर लाल प्रजापत ग्राम विकास अधिकारी खुमान सिंह प्रशासक सरपंच मांगीलाल मीणा जिला परिषद सदस्य कुरीलाल मीणा वार्ड पंच हीरालाल पटेल की गरिमामयी उपस्थिति और कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ अधिकारी द्वय ने संवेदन शीलता दिखाते हुए मौके पर ही विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों का निपटारा कर जनता को राहत प्रदान की 50 साल पुराना बंटवारा हुआ हल इस शिविर की सबसे बड़ी कामयाबी पेमा पिता भगा पटेल के मामले में देखने को मिली उनका पिछले 50 साल से लंबित पड़ा जमीन का बंटवारा अधिकारियों की सूझबूझ से मौके पर ही सर्वसम्मति से हल कर दिया गया

निरंकारी सत्संग स्थल पर जनरल साप्ताहिक सत्संग आयोजित

- चित्तौड़गढ़ संयोजक की माताजी को दी श्रद्धांजलि

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी। संत निरंकारी सत्संग स्थल बड़ीसादड़ी में रविवार 29 जून को जनरल साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग की शुरुआत मंगलाचरण ₹हे समर्थ परमात्मा हे निर्गुण निरंकार तू करता है जगत का तू सब का आधार₹ से हुई इस अवसर पर मिशन के मीडिया सहायक राधेश्याम रेगर ने सत्संग सभा को संबोधित किया। उन्होंने चित्तौड़गढ़ में आयोजित बाल समागम का उल्लेख करते हुए निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का संदेश दोहराया। उन्होंने कहा कि संत निरंकारी मिशन के सभी कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य मानव मात्र को निरंकार परमात्मा से जोड़ना तथा ब्रह्म ज्ञान के सरल सार्वभौमिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है

उन्होंने बताया कि ब्रह्म ज्ञान किसी विशेष वर्ग, जाति, अमीर-गरीब अथवा छोटे-बड़े तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक मानव के लिए सहज एवं सुलभ है। बच्चों एवं संगत को रोजाना सिमरन ₹तू ही निरंकार मैं तेरी शरण हां मैनूं बख्श लोर का अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता के साथ-साथ शिक्षा भी जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। बच्चों को अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना चाहिए, शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए तथा प्रत्येक विषय को समान महत्व देक- र ज्ञान अर्जित करना चाहिए सत्संग के अंत में चित्तौड़गढ़ के संयोजक धीरज कुमार पारेता की माताजी श्रीमती कंचन पारेता के ब्रह्मलीन होने पर सभी श्रद्धालुओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन बाल संत पुष्कर ने किया। उक्त जानकारी भेरूलाल निरंकारी ने दी।

शहरी सेवा शिविर में अधिकारियों की देरी से नाराज दिखे नागरिक, 10 बजे तक नहीं पहुंचा कोई जिम्मेदार

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को नगरपालिका परिसर में शहरी सेवा शिविर का आयोजन किया गया। हालांकि शिविर की शुरुआत में ही व्यवस्थाओं की पोल खुल गई, जब निर्धारित समय के बावजूद सुबह 10 बजे तक कोई भी अधिकारी और कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। शिविर में अपने कार्य करवाने और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी लेने के लिए शहर के कई नागरिक समय पर नगरपालिका पहुंच गए थे, लेकिन वहां अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण लोगों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। इससे लोगों में नाराजगी देखने को मिली और उन्होंने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। नागरिकों का कहना है कि सरकार एक ओर जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए विशेष शिविर आयोजित कर रही है, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी समय पर उपस्थित नहीं होकर सरकार की मंशा पर ही पानी फेर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जब से रायसिंहनगर के उपखंड अधिकारी को नगरपालिका का कार्यवाहक चार्ज सौंपा गया है, तब से नगरपालिका की व्यवस्थाएं चरमराई हुई नजर आ रही हैं। कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं और आमजन को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए भी भटकना पड़ रहा है। शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि शहरी सेवा शिविरों में अधिकारियों और कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन को सुचारू रूप से मिल सके और लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

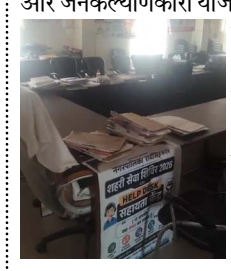

जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित

चमकता राजस्थान/ब्यावर। राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय, ब्यावर में सोमवार को जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देकर राजकीय विद्यालयों के आधारभूत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिले के भामाशाहों का प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। समारोह में (जिला स्तरीय भामाशाह संबंधित) रतन सिंह अमर सिंह राजपुरोहित, अंकुश दत्त, प्रकाश चन्द जैन, नीरज आचार्य, मोतीलाल, फूलचन्द भांबी, ओंकार सिंह रावत,(प्रेरक के रूप में जिला स्तर पर सम्मानित) जवरी लाल प्रजापत विनोद कुमार भाटी अशोक भाटी,ललित कुमार को सम्मानित किया गया। इन भामाशाहों द्वारा लगभग 86 लाख रुपये से अधिक का सहयोग प्रदान कर राजकीय विद्यालयों में प्राथमिक सभा हॉल, टिन शेड, कक्षाओं एवं सभा हॉल में मार्बल फ्लोरिंग, सोलर प्लांट, मुख्य द्वार, जलमंदिर तथा विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर की व्यवस्था सहित विभिन्न आधारभूत विकास कार्य कराए गए हैं। इन कार्यों से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण एवं बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी, ब्यावर अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भामाशाहों का सम्मान आवश्यक है। जिले के भामाशाहों ने विद्यालयों के विकास एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अमूल्य योगदान दिया है। उनका योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा तथा वर्षों तक याद किया जाएगा।

सम्राट के बंगले में अब निशांत का राज

नीतीश कुमार की मौजूदगी में हुआ 5 देशरत्न मार्ग में गृह प्रवेश

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सोमवार को अपने नए सरकारी आवास 5 देश रत्न मार्ग में गृह प्रवेश के अवसर पर भगवान सत्यनारायण की पूजा अर्चना की. ज्येष्ठ पूर्णिमा के मौके पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के साथ परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे. ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी अपने लोकसेवक आवास पर भगवान सत्यनारायण की पूजा कराई. राजधानी पटना में दोनों प्रमुख सरकारी आवासों पर धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए. पूजा के बाद मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि उन्हें 5 देश रत्न मार्ग का सरकारी

बंगला आवंटित हुआ है, इसलिए गृह प्रवेश की पूजा कराई गई. जब उनसे पूछा गया कि क्या अब वे इसी बंगले में रहेंगे, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, यहां भी रहेंगे और वहां भी रहेंगे. उनका इशारा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर भी रहने की ओर था. राजधानी पटना में इन दिनों सरकारी आवासों में बदलाव का सिलसिला जारी है. एक ओर 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास से लालू परिवार अपना सामान लेकर पोलो रोड स्थित नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सरकारी आवास में शिफ्ट हो गया है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने अपने नए सरकारी बंगले में प्रवेश की तैयारियां पूरी कर ली हैं. जानकारी के अनुसार पहले निशांत कुमार को 2 देश रत्न मार्ग स्थित बंगला आवंटित किया गया था, जिसे विधानसभा अध्यक्ष के लिए चिन्हित किया गया था. बाद में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा 5 देश रत्न मार्ग का बंगला खाली किए जाने के बाद यह आवास स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को आवंटित कर दिया गया. यह आवास सम्राट चौधरी को डिप्टी सीएम रहते मिला था. स्वास्थ्य मंत्री को मिला 5 देश रत्न मार्ग का बंगला पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 7 सर्कुलर रोड स्थित आवास के बिल्कुल निकट है. साथ ही यह मुख्यमंत्री आवास के भी समीप स्थित है, जिससे यह वीवीआईपी क्षेत्र का प्रमुख सरकारी आवास माना जाता है. अस्पतालों में चल रही कार्रवाई पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी आगे भी जारी रहेगी. उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है, ताकि आम लोगों को इलाज में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े और उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें. पिछले 2 दशकों में हमारा बिहार देश और दुनिया के लिए उदाहरण बनकर आया है... मेरे पिताजी ने क्राइम, करप्शन, कम्युनलिज्म से कभी समझौता नहीं किया, मैं भी नहीं करूंगा।

पटना में भीषण अग्निकांड, 20 करोड़ का नुकसान, बुझाने में लगे 13 घंटे

3 लाख लीटर पानी-3500 लीटर फोम का हुआ प्रयोग

पटना। बिहार की राजधानी पटना में भीषण अग्निकांड हुआ है. पटना सिटी स्थित दीदारगंज थाना क्षेत्र के महुली रोड पर तेल, रिफाइंड और डालडा गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई. आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया. घटना के करीब 13 घंटे बाद भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है. हालांकि काफी हद तक इसपर नियंत्रण पाया जा चुका है. मौके पर अग्निशमन विभाग की दो दर्जन से अधिक गाड़ियां लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रही. इस हादसे में एक युवक मामूली रूप से झुलस गया, जबकि गोदाम में रखे 20 करोड़ रुपये मूल्य के सामान जलकर नष्ट होने की आशंका जताई जा रही है. आग की भयावहता का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि इसपर काबू पाने के लिए लगभग 3 लाख लीटर पानी का उपयोग हुआ. करीब 3500 लीटर फोम का प्रयोग किया गया है. फायर ब्रिगेड की करीब 100 से ऊपर कर्मी आग बुझाने में लगे. करीब दो सौ ट्रिप गाड़ी पानी को लाने में लगी. मौके पर 30 से भी ज्यादा फायर ब्रिगेड की बड़ी छोटी गड़िया पहुंची. जानकारी के अनुसार, घटना रविवार देर रात

करीब एक बजे की है. गोदाम में भारी मात्रा में डालडा, रिफाइंड और सरसों तेल का भंडारण किया गया था. आग लगने के बाद कुछ ही देर में लपटें पूरे परिसर में फैल गईं. सूचना मिलते ही दीदारगंज थाना की पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा आग बुझाने का अभियान शुरू किया. हालांकि ज्वलनशील पदार्थों की अधिक मात्रा होने के कारण आग पर काबू पाने में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी. बताया जा रहा है कि इस गोदाम से बिहार के कई हिस्सों में डालडा, रिफाइंड और सरसों तेल की सप्लाई की जाती थी. आग लगने के कारण गोदाम बड़ी मात्रा में खाद्य तेल और अन्य सामान जलकर राख हो गये. आग की तीव्रता के कारण गोदाम के भीतर रखे तेल बाहर सड़क पर बहने लगे, जिससे आसपास का इलाका फिसलन भरा हो गया. सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने घटनास्थल के आसपास बैरिकेडिंग कर लोगों की आवाजाही रोक दी. गोदाम के मालिक विपिन श्रीवास्तव ने बताया कि देर रात उन्हें आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे. तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी. इसके बाद अग्निशमन विभाग और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई. उन्होंने बताया कि इस हादसे में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका है।

बिहार में भीषण सड़क हादसा: दो कार की टक्कर में 3 दोस्तों की मौत

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में देर रात दो कारों की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई. सिघौंल थाना क्षेत्र के अंग्रेजी ढाला के पास फोरलेन एनएच-31 पर हुए इस हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई. वहीं दोनों वाहनों में सवार करीब 9 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई. हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान ऋषभ कुमार (26), सन्नी कुमार (24) और हिमांशु कुमार (22) के रूप में हुई है. ये सभी पोखरिया निवासी थे. घायलों में रुपेश कुमार, करण कुमार और रवि कुमार की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है. सभी पीड़ितों का इलाज बेगूसराय के एक निजी अस्पताल में चल रहा है. मृतक के दोस्त राहुल कुमार के अनुसार सभी 6 दोस्त पोखरिया गांव से दोस्त की जन्मदिन पार्टी में गए थे. वहां से गंगा स्नान करने सिमरिया घाट जा रहे थे. सन्नी कुमार गाड़ी चला रहा था, जो एक्साइज थाना में निजी चालक का भी काम करता है. इसी दौरान अंग्रेजी ढाला के पास विपरीत दिशा से आ रही दूसरी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई. हादसे में घायल करण कुमार का जन्मदिन था. हम सभी पार्टी करने गए थे. इसके बाद गंगा स्नान करने गए थे. लौटने के दौरान कहा कि मैं गाड़ी चलाऊंगा तो दोस्तों ने मना कर दिया. इस कारण मैं वापस आ गया. थोड़ी देर बाद फोन आया कि हादसा हो गया है. पहुंचे तो देखा कि दोनों स्कॉर्पियो की टक्कर हो गई है।

श्री राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस: सभी 8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के सभी आठ आरोपियों को सोमवार को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया. इससे पहले बीते शुक्रवार को इन्हें रिमांड मजिस्ट्रेट के न्यायालय में पेश किया गया था. जहां कोर्ट ने सभी को 3 दिन की न्यायिक अभिरक्षा भेजा था. बता दें कि गबन मामले में अभी तक करीब 80 लाख रुपये की बरामदगी हो चुकी है. बता दें कि राम मंदिर में चंदा चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस भी लगातार कार्रवाई कर रही है. एक दिन पहले रविवार को अयोध्या में सभी आरोपियों के घर पुलिस ने छापेमारी की थी. साथ ही परिजनों से जरूरी सवाल पूछे थे. इस मामले में राम जन्मभूमि थाने में 305 ए, 306, 317 (2) 317(5) 316(5) 61(2) ए 3(5) भारतीय न्याय संहिता तथा

धारा 13(1) (ए) 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है. जबकि मामले के तूल पकड़ने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दे दिया है. इससे पहले शुक्रवार को रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष सभी अभियुक्तों की निशानदेही पर बरामद किए गए 79 लाख 85493 रुपए भी पेश किए गए थे. अयोध्या धाम के स्वर्ग द्वार मोहल्ले निवासी. इनकी जिम्मेदारी थी दानपात्रों की देखरेख, उन्हें बेसमेंट तक पहुंचाना. आरोप है कि दानपात्र से करोड़ों रुपए गबन किए गए. अयोध्या और आसपास के जिलों में संपत्तियां बनाईं.अनुकल्प मिश्राः निवासी कौशलपुरी कॉलोनी मानस डेंटल के बगल थाना कोतवाली नगर. इनकी जिम्मेदारी गणना कक्ष में रुपयों की गिनती में शामिल रहना था. आरोप है कि चढ़ावे की चोरी करके रुपये बाथरूम में छिपाता था. लाखों की संपत्तियां बनाई. निवासी ठकुराइन खगोली कोतवाली रुदौली. चढ़ावे-नकदी की काउंटिंग स्टाफ का सदस्य रहा. आरोप है कि चढ़ावा चोरी करके करोड़ों की संपत्तियां बनाईं, घर से 12 लाख बरामद.सुभाष चंद्र श्रीवास्तवः बैंक कॉलोनी अंजनीपुरम कोतवाली नगर के निवासी. बैंक से रिटायर्ड, यूनियन नेता भी रहे. इनकी जिम्मेदारी कैश काउंटिंग स्टाफ को संभालना. आरोप है कि निगरानी में लापरवाही बरती. दान में आए रुपयों की चोरी में शामिल. टिन्नू यादव का भतीजा है, स्वर्गद्वार में रहता है. इनकी जिम्मेदारी दानपात्रों में आने वाले चढ़ावे की गिनती करना. मंदिर के चढ़ावे की चोरी करने का आरोप, घर से 36 लाख बरामद.करुणेश पांडेयः निवासी जयराजपुर थाना खंडासा. इनकी जिम्मेदारी दान के रुपये को कक्ष तक लेकर आना और उसकी गणना करना. आरोप है कि दान में आए रुपयों को चोरी करता था. अयोध्या के आसपास संपत्तियां खरीदीं. निवासी कौशलपुरी मधुबन डेरी के पास थाना कोतवाली नगर. इनकी जिम्मेदारी दान के रुपयों को कक्ष तक लेकर आना और उसकी गणना करना था. आरोप है कि घपला कर अयोध्या के आसपास संपत्तियां खरीदीं. रमाशंकर मिश्राः निवासी प्राचीन सीताराम मंदिर नया घाट कोतवाली अयोध्या. इनकी जिम्मेदारी दानपात्रों को गणना कक्ष तक लेकर आना व उनकी निगरानी करना था. आरोप है कि आरोपियों के साथ मिलकर दान में आए रुपयों में हेराफेरी करता था।

अगर सपा सत्ता में लौटी तो बहुजन समुदाय के लोगों पर अत्याचार बढ़ेंगे

राजभर का अखिलेश पर तीखा हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव और उनके समर्थकों के मन में बहुजन समाज के प्रति नाराजगी है और यदि समाजवादी पार्टी सत्ता में लौटती है तो बहुजन समुदाय के लोगों पर अत्याचार बढ़ेंगे। सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में राजभर ने अखिलेश यादव को राजा बाबू कहकर संबोधित करते हुए दावा किया कि उनके कुछ समर्थक लाठियों में तेल लगा रहे हैं तो कुछ चाकू और तलवारें तेज कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले लगभग दस वर्षों से समाजवादी पार्टी के नेता बहुजन समाज के खिलाफ मन में द्वेष रखे हुए हैं। राजभर ने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी सत्ता में आने के बाद अपने ₹गुंडे, माफिया और लाल टोपी वालों₹ को थानों पर कब्जा दिलाना चाहती है। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) अभियान पर भी निशाना साधते हुए दावा किया कि इसके नाम पर भड़काऊ नारे लगाए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पाल, प्रजापति, बिंद, केवट, मल्लाह, राजभर, निषाद, मांझी, दर्जी, तेली, लोनिया, फकीर और बंजारा समेत कई बहुजन जातियां समाजवादी पार्टी के शासन में सबसे अधिक निशाने पर होंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता मिलने पर इन समुदायों के लोगों के घरों और जमीनों पर कब्जा किया जाएगा, दंगे कराए जाएंगे तथा महिलाओं पर अत्याचार होंगे। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। राजभर ने कहा कि बहुजन समाज समाजवादी पार्टी को दोबारा सत्ता में आने का अवसर नहीं देगा। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं, समाचार लिखे जाने तक समाजवादी पार्टी की ओर से राजभर के आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

यूपी में हादसा: ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट कासगंज हाईवे के पास हुआ क्रेश, महिला पायलट गंभीर रूप से घायल

अलीगढ़। अलीगढ़ का एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट कासगंज की पुलिस लाइन के पीछे हाईवे के सहारे गिर गया। बताया जा रहा है कि एयरक्राफ्ट में सवार एकमात्र महिला पायलट घायल हुई है, जिसका उपचार चल रहा है। सोमवार को दोपहर चार बजे के लगभग अलीगढ़ एयरपोर्ट पर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट चेतक एविएशन का एक एयरक्राफ्ट कासगंज के ऊपर से गुजर रहा था। बताया जा रहा है कि उसमें एकमात्र महिला पायलट कायनात खान मौजूद थीं। किसी तकनीकि गड़बड़ी के कारण एयरक्राफ्ट ने एक-दो चक्कर लगाए और वह बिजली के तार से टकराकर पुलिस लाइन

के पीछे बरेली-मथुरा हाईवे के किनारे गिर गया। एयरक्राफ्ट में मौजूद महिला पायलट कायनात खान हादसे में गंभीर घायल हो गईं, उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। अलीगढ़ से एयरक्राफ्ट की टीम पहुंच गई है। निर्माणाधीन बरेली-मथुरा हाईवे के किनारे पुलिस लाइन के पीछे तकनीकी खराबी के कारण एक प्रशिक्षु एयरक्राफ्ट सोमवार शाम चार बजे क्रेश होकर गिर गया। विमान को महिला पायलट 27 वर्षीय कायनात खान पुत्री कादरखान निवासी मुंबई उड़ा रही थी। जो गंभीर रूप से जख्मी हुई है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पलामू में रहस्यमय बीमारी से एक परिवार के पांच लोगों की मौत

परिवार के लोगों का शरीर सूज रहा है और बाद में उनकी मौत हो जा रही

पलामू। जिले के पड़वा प्रखंड के सिक्का गांव में रहस्यमय बीमारी से पिछले 10 दिनों में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है. सिक्का के रहने वाले कुलदीप महतो की सबसे पहले 19 जून को मौत हुई. उनकी बेटी बबीता कुमारी की मौत 20 जून को हुई, इसके बाद उनकी दूसरी बेटी इंदु कुमारी की 26 जून को, बहू श्वेता कुमारी की 28 जून को और बेटे नकुल महतो की 29 जून को मौत हो गई. बहू श्वेता कुमारी और बेटा नकुल महतो की मौत रिम्स में हुई है. जबकि कुलदीप महतो की पत्नी लाखो देवी, एक बेटा और पोता इलाज के लिए रिम्स में भर्ती हैं. दरअसल, पूरा परिवार रहस्यमय बीमारी की चपेट में है, परिवार के लोगों का शरीर सूज रहा है और बाद में उनकी मौत हो जा रही है. शुरुआत के तीन मृतकों के शव का पोस्टमार्टम मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में

करवाया गया. सभी मृतकों के विसरा के नमूने सुरक्षित रख लिए गए हैं. उन्हें अभी तक एफएसएल जांच के लिए नहीं भेजा गया है. स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इस मामले की जांच की, जिसमें अब तक कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं. कुलदीप महतो और उनका पूरा परिवार बीमार होने के बाद झाड़-फूंक का सहारा ले रहा था. कुलदीप महतो और उनकी बेटी बबीता कुमारी की मौत के बाद पूरा परिवार इलाज के बहाने झाड़-फूंक करवाने चला गया था. पूरा परिवार लेस्लीगंज के पूर्णाडीह इलाके में झाड़ फूंक करवा रहा था. इस दौरान लोग लंबे समय से राख खा रहा था. स्वास्थ्य विभाग की टीम फिर से सिक्का गांव और पूर्णाडीह पहुंची है और उस राख को कलेक्ट कर रही है, जिसे परिवार खा रहा था. परिवार को इलाज के लिए चार बार रेस्क्यू किया गया. लेकिन वे झाड़ फूंक का सहारा ले रहे थे. जांच में राख खाने की भी बात सामने आई है, जिसके सैंपल कलेक्ट किए जा रहे हैं. उनके खान-पान के बारे में जानकारी जुटाने के लिए दोनों गांव में टीमें भेजी गई हैं. इस पूरी घटना पर एक डिटेल रिपोर्ट तैयार की जा रही है- डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव, सिविल सर्जन, पलामू पाटन चिकित्सा पदाधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि रिम्स में पांचवीं मौत हुई है. राख के खाने की बात सामने आई है. टीम के साथ वे खुद गांव पहुंचे हैं और खान-पान के बारे में जानकारी ले रहे हैं. वहीं, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के डॉ आरके रंजन ने बताया कि सभी मृतकों के विसरा को सुरक्षित रखा गया है. पुलिस इसे जांच के लिए भेजेगी. आशंका है कि ड्रॉप्सी की बीमारी है, परिवार वाले जिस सरसों तेल का सेवन कर रहे हैं, उसकी भी जांच होनी चाहिए।

प्रशिक्षित सहायक आचार्यों को सीएम हेमंत सोरेन ने दिया नियुक्ति पत्र

रांची। झारखंड सरकार ने सोमवार को राज्य के शिक्षा क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए 1042 नवचयनित इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपी. रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए. इसी अवसर पर मुख्यमंत्री ने कक्षा 6 से 12 तक के शिक्षकों के लिए सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि शिक्षा किसी भी राज्य के विकास की सबसे मजबूत नींव होती है. सरकार लगातार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने, विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है. उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों से

अपेक्षा की कि वे केवल पढ़ाने तक सीमित न रहें, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक मूल्यों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं. उन्होंने कहा कि अब आप लोग तय करेंगे कि हमारी आने वाली पीढ़ी अपने पैरों पर कैसे खड़ी हो. कार्यक्रम में वित्त और संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, राज्य सभा सांसद महुआ माजी, शिक्षा विभाग के सचिव, मुख्य सचिव और कई जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में चयनित अभ्यर्थी शामिल हुए. नियुक्ति पत्र वितरण से पहले नवनियुक्त शिक्षकों की ओर से चतरा जिले के मनोज कुमार वैद्य और रांची की सीता कुमारी ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने विचार रखे. मनोज कुमार वैद्य ने कहा कि वे चतरा के एक सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं और शिक्षक के रूप में मिली जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे. उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि गांव के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और वे अपने सपनों को पूरा कर सकें. वहीं नवनियुक्त शिक्षिका सीता कुमारी ने कहा कि शिक्षक बनना उनका सपना था और अब इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएंगी. उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा देना और उनके भविष्य को संवारना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सीपीडी कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया. यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप शिक्षकों के सतत प्रशिक्षण और पेशेवर विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. इसके तहत कक्षा 6 से 12 तक के शिक्षकों को हर वर्ष 50 घंटे का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा।

संक्षिप्त खबर

बाबा अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से

नई दिल्ली/एजेंसी। हिंदू धर्म में बाबा अमरनाथ की यात्रा का विशेष महत्व है. हर साल लाखों श्रद्धालु कठिन रास्तों और पहाड़ों को पार कर बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए कश्मीर घाटी पहुंचते हैं. साल 2026 में अमरनाथ यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से होने जा रही है, जिसका समापन 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के दिन होगा. कुल 57 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है. अमरनाथ गुफा को केवल एक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि साक्षात शिव का निवास स्थान माना जाता है. इस पवित्र गुफा और यहां बनने वाले प्राकृतिक हिमलिंग से कई पौराणिक और रहस्यमयी कहानियां जुड़ी हुई हैं, जो आज भी विज्ञान के लिए एक पहेली हैं।

अगरतला एयरपोर्ट इलाके से आठ बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा पुलिस ने रविवार शाम आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। इन पर आरोप है कि ये गैर-कानूनी तरीके से राज्य में घुसे थे और अगरतला के महाराजा बीर बिक्रम एयरपोर्ट से आगे की यात्रा करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू की गई थी। जानकारी से पता चला था कि चार बांग्लादेशी नागरिक त्रिपुरा में घुसकर हवाई अड्डे के रास्ते राज्य से बाहर जाने की योजना बना रहे थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने निगरानी बढ़ाई और शुरुआत में चार लोगों को पकड़ा। पकड़े गए संदिग्धों से और पूछताछ करने पर ऐसी जानकारी मिली जिससे पुलिस ने एयरपोर्ट के आस-पास चार और लोगों को गिरफ्तार किया। हवाई अड्डा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि शुरुआती गिरफ्तारी पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी, जबकि पहले समूह से पूछताछ के बाद बाकी लोगों की पहचान और गिरफ्तारी हो सकी। पकड़े गए सभी आठ लोग कोलकाता होते हुए दक्षिण भारत के किसी राज्य में जाने की योजना बना रहे थे।इन सभी को अदालत में पेश किया गया और पुलिस ने उनसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति मांगी। पुलिस ने कहा कि जांचकर्ता इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये लोग त्रिपुरा में कैसे घुसे और आगे कहाँ जाना चाहते थे और क्या यह मामला मानव तस्करी या गैर-कानूनी आव्रजन जैसी किसी बड़ी साजिश से जुड़ा है।

नोएडा स्थित बहुमंजिला इमारत के, 21वें मंजिल में लगी आग

नोएडा। उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-119 स्थित अरण्य (अजनारा) सोसाइटी में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब सोसाइटी के एक टावर के 21वें फ्लोर पर स्थित फ्लैट में आग लगने की सूचना मिली। ऊंची इमारत से धुआं उठता देख सोसाइटी के निवासियों में दहशत फैल गई और लोग अपने-अपने फ्लैटों से बाहर निकल आए। अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार द्वारा मौके से जानकारी देते हुए बताया गया कि,सूचना मिलते ही फायर सर्विस और पुलिस प्रशासन ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली अरण्य सोसाइटी के 21वें फ्लोर पर स्थित फ्लैट में अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर सर्विस की 6 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने ऊंची इमारत में पहुंचकर आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। आग को अन्य फ्लैटों तक फैलने से रोकने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सेक्टर-113 थाना पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद रही और पूरे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य किया। प्रशासन की ओर से जारी प्रारंभिक जानकारी में अब तक किसी व्यक्ति के फ्लैट में फंसे होने की सूचना नहीं मिली है और न ही किसी प्रकार की जनहानि या घायल होने की पुष्टि हुई है। राहत एवं बचाव दल सोसाइटी के प्रत्येक प्रभावित हिस्से की जांच कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई व्यक्ति अंदर मौजूद न हो। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। माना जा रहा है कि आग पूरी तरह बुझने और मौके का निरीक्षण करने के बाद फायर विभाग इसकी विस्तृत जांच करेगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

खरगे ने संत कबीर दास को जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संत कबीर दास की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा है कि उन्होंने सत्य, सामाजिक समानता, एकता, मानवता और धार्मिक सौहार्द का संदेश देकर समाज को नयी दिशा दी है। श्री खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि संत कबीर दास ने अपनी वाणी के माध्यम से रूढ़िवादिता, सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव, आडंबर और पाखंड के विरुद्ध जनजागरण का अलख जगाया। उन्होंने कबीर का प्रसिद्ध दोहा राजा ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय। सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय।। उद्धृत करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

आरएसएस के खिलाफ कमेंट करने पर प्रियांक खरगे को समन, 21 जुलाई तक देना होगा जवाब

नई दिल्ली। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे और यूथ कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपाड को आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी करने पर समन जारी किया गया है। बेंगलुरु की एक अदालत ने 27 जून को समन जारी कर 21 जुलाई तक जवाब मांगा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ प्रियांक की टिप्पणियों को लेकर आपराधिक मानहानि की शिकायत की गई थी। इसी शिकायत पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने समन जारी किया है। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट संदीप पाटिल ने माना कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 के तहत आपराधिक मानहानि के अपराध के लिए प्रियांक खरगे और नलपाड के खिलाफ मामला बनता है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, आरोपी नंबर 1 प्रियांक खरगे और 3 मोहम्मद नलपाड के खिलाफ बीएनएस, 2023 की धारा 356 के तहत दंडनीय अपराध का संज्ञान लिया गया है। कार्यालय को निर्देश दिया जाता है कि वह इस मामले को आपराधिक मामले के तौर पर दर्ज करे और आरोपी नंबर 1 और 3 को समन जारी करे, जिसका जवाब 21 जुलाई, 2026 तक आना चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ कार्यवाही करने से इनकार कर दिया। बेंगलुरु के रहने वाले और आरएसएस कार्यकर्ता ए. तेजस ने ये याचिका दर्ज की थी, उनका आरोप है कि आरोपियों ने अक्टूबर 2025 में आरएसएस और उसके सदस्यों को निशाना बनाते हुए कई अपमानजनक बयान दिए। शिकायत के अनुसार, मंत्री रहते हुए प्रियांक खरगे ने 4 अक्टूबर, 2025 को कर्नाटक सरकार को पत्र लिखकर मांग की थी कि आरएसएस को सरकारी खेल के मैदानों, स्कूलों और कॉलेजों का इस्तेमाल करने से रोका जाए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह पत्र जानबूझकर मीडिया को जारी किया गया और संगठन की बदनामी करने के मकसद से खरगे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया गया। शिकायत में पिछले साल 13 और 14 अक्टूबर को खरगे द्वारा किए गए कथित सोशल मीडिया पोस्ट का भी जिक्र किया गया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया था, आरएसएस सदस्य से कभी दोस्ती न करें। सिर्फ दोस्त ही नहीं, भले ही वह आपका परिवार का सदस्य हो। वे असल में दुर्व्यवहार करने वाले लोग होते हैं। अदालत ने मंत्री प्रियांक खरगे और यूथ कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपाड से 21 जुलाई तक जवाब मांगा है। हालांकि, जब गृह मंत्री प्रियांक खरगे से इस अदालती कार्यवाही के बारे पूछा गया तो उन्होंने प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया।

होर्मुज पर बढ़ा तनाव

ईरान-यूएस समझौते का आर्टिकल-5 बना विवाद की जड़?

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच 17 जून को हुए समझौते के बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है. इसकी सबसे बड़ी वजह होर्मुज स्ट्रेट और समझौते का आर्टिकल-5 है. दोनों देश एक-दूसरे पर इस समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं. होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है. ईरान ने पहले इस रास्ते पर रोक लगा दी थी, जिससे सैकड़ों मालवाहक जहाज फंस गए और दुनिया में तेल संकट पैदा हो गया. इसके बाद दोनों देशों के बीच समझौता हुआ. समझौते के आर्टिकल-5 में कहा गया है कि ईरान 60 दिनों तक फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच व्यापारिक जहाजों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के सुरक्षित रास्ता देगा. साथ ही 30 दिनों के भीतर समुद्र में बिछाई गई सी माइंस दूसरी सैन्य बाधाओं को हटाएगा. लेकिन विवाद इस बात पर है कि होर्मुज स्ट्रेट का नियंत्रण किसके पास रहेगा. ईरान का कहना है कि इस पूरे इलाके की सुरक्षा और निगरानी उसी की जिम्मेदारी है. वहीं अमेरिका चाहता है कि जहाजों की आवाजाही पूरी तरह स्वतंत्र रहे. इसमें ओमान व अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन की भी भूमिका हो. ईरान इसे अपने अधिकार में दखल मानता है. तनाव तब और बढ़ गया जब शुक्रवार को होर्मुज से गुजर रहे एक जहाज पर हमला हुआ. इसके जवाब में अमेरिका ने ईरान पर हमला किया, हालांकि ईरान ने जहाज पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली. इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर समझौता तोड़ने का आरोप लगाया. ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट का प्रबंधन पूरी तरह ईरान की जिम्मेदारी है और किसी भी बाहरी दखल से हालात और बिगड़ेंगे. दूसरी ओर अमेरिका वैकल्पिक समुद्री मार्ग तैयार करने की कोशिश कर रहा है, जिससे ईरान नाराज है।

ईरान ने जहाजों के लिए रास्ता बताया

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने चेतावनी दी कि जहाज केवल ईरान के बताए गए उत्तरी समुद्री मार्ग से ही गुजरें. इसके कारण कई तेल टैंकरों को अपना रास्ता बदलना पड़ा. एवर लवली और किकू नाम के दो जहाज भी हमलों का शिकार हुए. इन घटनाओं का असर समुद्री व्यापार पर साफ दिखा. बुधवार को जहां 70 जहाज होर्मुज से गुजरे थे, वहीं शनिवार तक यह संख्या घटकर सिर्फ 40 रह गई. इससे दुनिया में तेल की सप्लाई और कीमतों को लेकर चिंता बढ़ गई है. हालांकि रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देश फिलहाल बड़े युद्ध से बचना चाहते हैं और बातचीत की संभावना अभी भी बनी हुई है।

पुणे : बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले में दोषी को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

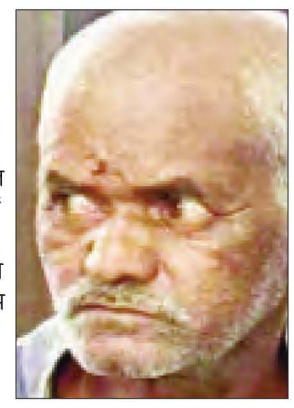

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के नसरपुर में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी भीमराव प्रभाकर कांबले (उम्र 65) को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है. कोर्ट ने कहा कि जघन्य और घिनौनी वारदात के लिए उम्रकैद की सजा काफी नहीं है. इसके लिए फांसी की सजा भी छोटी है लेकिन कोर्ट के पास देने को इससे बड़ी सजा नहीं. महाराष्ट्र दिवस पर भोर तालुका के नसरपुर में एक चौंकाने वाली घटना हुई, जहां साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची के साथ रेप करने के बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई. पुणे ग्रामीण पुलिस ने मामले की तेजी से जांच की और सिर्फ 14 दिनों के अंदर चार्जशीट दायर कर दी. सोमवार को कोर्ट ने जुर्म के दो महीने से भी कम समय में अपना फैसला सुनाते हुए भीमराव प्रभाकर कांबले (65) को मौत की सजा सुनाई. पुणे जिला और सत्र न्यायालय के स्पेशल जज एसआर सालुंखे ने कांबले को मौत की सजा सुनाई. नसरपुर हमला मामला राज्य के न्यायिक इतिहास में इतना तेज ट्रायल वाला पहला मामला बन गया है. बता दें कि घटना से पूरे राज्य में गुस्सा फैल गया था. वहीं अलग-अलग संगठनों ने आरोपियों को तुरंत मौत की सजा देने की मांग करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया था और कैंडल मार्च निकाला था. अपराध के बाद पुलिस ने तुरंत आरोपी भीमराव प्रभाकर कांबले (65) को गिरफ्तार करने के साथ तेजी से जांच शुरू कर दी थी. जांच 14 दिनों में पूरी हो गई और सभी सबूतों, डीएनए रिपोर्ट और मेडिकल रिपोर्ट को शामिल करते हुए 1,100 पेज की चार्जशीट फाइल की गई. इसके बाद, कोर्ट ने दिन प्रतिदिन और 'इन-कैमरा' सुनवाई की. इस दौरान 125 गवाहों में से 55 से पूछताछ जिरह की गई. यह सजा अपराध होने के सिर्फ सवा महीने के अंदर सुनाई गई. इस तरह नसरपुर यौन उत्पीड़न का मामला राज्य के न्यायिक इतिहास में फास्ट-ट्रैक ट्रायल के जरिए खत्म होने वाला पहला केस बन गया है. मामले में आज फैसला सुनाए जाने की वजह से पुणे जिला और सत्र न्यायालय परिसर में भारी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया था. सजा सुनाए जाने के समय पीड़ित के परिवार वाले कोर्टरूम में मौजूद थे. जब फैसला सुनाया गया तो वे भावुक हो गए और अपने आंसू नहीं रोक पाए।

पाकिस्तान से बैक चैनल वार्ता नहीं हो रही

ट्रैक-2 मीटिंग पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री का बयान

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे कथित ट्रैक-2 संवाद को लेकर स्पष्ट किया कि भारत सरकार की ओर से इन बैठकों में न तो कोई आधिकारिक भागीदारी है और न ही किसी प्रकार का समर्थन या भूमिका. एक सवाल के जवाब में मिस्री ने कहा कि जो भी भारतीय नागरिक इन कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं, वे अपनी व्यक्तिगत क्षमता में शामिल हो रहे हैं. उनके विचार उनके अपने हैं और उन्हें भारत सरकार का आधिकारिक दृष्टिकोण नहीं माना जाना चाहिए। विदेश सचिव ने कहा कि मैंने एक रिपोर्ट देखी है. पाकिस्तान का तो मुझे नहीं पता, लेकिन कोलंबों में जिस मीटिंग की बात हो रही है, उसमें आधिकारिक तौर पर भारत से कोई शामिल नहीं है. मिस्री ने कहा कि कुछ रिटायर अधिकारी और सिविल सोसाइटी के लोग इसमें शामिल हुए थे. उनकी बातों से हम कोई इत्तफाक नहीं रखते हैं. इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी राम माधव ने भी ट्रैक-2 मीटिंग को खारिज किया था. दरअसल, कोलंबो में जिस मीटिंग की रिपोर्ट आई थी, उसमें राम माधव भी शामिल थे. राम माधव ने इस मुद्दे को बेवजह तुल न देने की बात कही थी. मई 2025 से ही भारत और पाकिस्तान के बीच आधिकारिक बातचीत यानी ट्रैक-1 मीटिंग ठप है. हाल के दिनों में एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि बैक चैनल दोनों देशों के बीच बातचीत की कवायद शुरू हो रही है. इसके लिए श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में बैठक हुई है. इसे ट्रैक-2 नाम दिया गया. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटजिक स्टडीज द्वारा आयोजित इस बैठक में संघ के पदाधिकारी और इंडिया फाउंडेशन के राम माधव, पूर्व सेना प्रमुख एम नरवणे और पूर्व डिप्लोमैट रुचि घनश्याम शामिल हुए. बैठक में पाकिस्तान की तरफ से आईएसआई के पूर्व अधिकारी अली खान पटौदी, पूर्व मंत्री शेरी रहमान और पाक विदेश मंत्रालय के अफसर सज्जाद हैदर खान मौजूद थे।

बार-बार पेपर लीक से महाराष्ट्र की हो रही बदनामी

विधानसभा में विपक्ष का सरकार पर जोरदार हमला

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र में सोमवार को नीट और टीईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक का मुद्दा जोरदार तरीके से गूंजा. कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि बार-बार हो रही पेपर लीक की घटनाओं से महाराष्ट्र की पूरे देश में बदनामी हो रही है और लाखों छात्रों तथा शिक्षकों का भविष्य खतरे में पड़ गया है. सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाने की मांग की. चर्चा के दौरान विजय वडेट्टीवार ने कहा कि लाखों छात्र वर्षों की मेहनत और तैयारी के बाद परीक्षा में बैठते हैं, लेकिन पेपर लीक की घटनाओं के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है. उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार आखिर बार-बार परीक्षाओं को पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से आयोजित करने में क्यों विफल हो रही है। वडेट्टीवार ने हालिया टीईटी पेपर लीक मामले की गहन जांच की मांग करते हुए कहा कि केवल आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है. पेपर तैयार करने वाली एजेंसियों, संबंधित कंपनियों और पूरे नेटवर्क की जांच कर इस रैकेट का पर्दाफाश किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, लेकिन उनके दूसरे राज्यों से भी संबंध सामने आ रहे हैं, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। उन्होंने वर्ष 2018 के टीईटी घोटाले का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उस मामले के आरोपी अभिषेक सावरीकर को बाद में भाजपा में शामिल किया गया. साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि इस मामले में बार-बार ''क्रिस्टल'' कंपनी का नाम क्यों सामने आ रहा है. उन्होंने सरकार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे संदेह पैदा होता है कि कहीं यह सरकार प्रायोजित घोटाला तो नहीं है।

अकाल तख्त के सामने पेश हुए पंजाब के सभी सिख मंत्री

बेअदबी रोकथाम कानून पर दिया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। पंजाब के सभी सिख विधायक और सिख कैबिनेट मंत्री सोमवार को अमृतसर स्थित अकाल तख्त के समक्ष पेश हुए। गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी रोकथाम कानून के संबंध में उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया था। वहीं, गैर-सिख कैबिनेट मंत्रियों से इस मामले पर अपने विचार लिखित रूप में देने को कहा गया, जबकि मुख्यमंत्री भगवंत मान को तलब नहीं किया गया। जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने 15 जून को सभी दलों के सिख विधायकों और सिख मंत्रियों को अकाल तख्त के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा था कि 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026'को सिख पंथ से सलाह-मशविरा किए बिना पारित किया गया, इसलिए इस पर स्पष्टीकरण आवश्यक है। अकाल तख्त ने पहले भी पंजाब सरकार से इस कानून की कुछ धाराओं को हटाने की मांग की थी और कहा था ये प्रावधान "गुरु ग्रंथ साहिब, खालसा पंथ और संगत (सिख समुदाय) की भावनाओं के विरुद्ध हैं। यह विधेयक 13 अप्रैल को पंजाब विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था। इसमें गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वालों के लिए आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है। पंजाब सरकार के कुल 29 विधायक और नौ मंत्री श्री अकाली तख्त के समक्ष पेश हुए। इन 29 विधायकों में से सात कांग्रेस से, दो शिरोमणि अकाली दल से और एक निर्दलीय शामिल है। श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब सरकार को प्रस्तावित बेअदबी विरोधी कानून पर अपनी आपत्तियों को दूर करने के लिए एक महीने का समय दिया है और निर्देश दिया है कि चिंताओं का समाधान किया जाए, भले ही इसके लिए पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना पड़े। इसके साथ ही आपत्तियां दूर होने तक कानूनों को रोक दिया गया है। अकाल तख्त ने कहा, हमें आपत्ति है। आपने वह काम शुरू किया है जो हमें और अकाल तख्त साहिब को करना चाहिए था। यहां संप्रदाय के अधिकार में हस्तक्षेप किया गया है। कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि अगर सिख धर्म में दखलंदाजी हुई तो इसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब बिल विधानसभा में लाया गया, मैंने उस दिन भी कहा सरकार गलती कर गई। हम भी चाहते हैं कि जो बेअदबी करता है उसे सख्त सजा मिले। हमने विधानसभा स्पीकर को बुलाया कि हमारे ऐतराज हैं। इन्हें 15 दिन में दूर किया जाए, लेकिन उन्होंने इसे दूर नहीं किया। बहुत से विधायकों से मैंने पूछा कि क्या आपने कानून पढ़ा तो उन्होंने माना कि नहीं पढ़ा। हमने ये भी कह दिया कि जब तक संशोधन नहीं होता, तब तक इनको होल्ड किया जाए। सोमवार को विधायकों की पेशी से पहले पत्रकारों से बातचीत में जत्थेदार गड़गज ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर धार्मिक मामलों और अकाल तख्त के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया और कहा कि बेअदबी कानून के जरिए सरकार गुरु और सिखों के बीच आने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, हमें गुरु पंथ और गुरु ग्रंथ साहिब के विरुद्ध नहीं जाना चाहिए। हमें सिख पंथ की भावनाओं के अनुरूप चलना चाहिए।

वीबी-जीरामजी एक जुलाई से पूरे देश में लागू

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां चल रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' के दूसरे दिन सोमवार को सभी राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ ग्रामीण विकास के लिए बनी 'वीबी-जीरामजी' योजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस असवर पर श्री चौहान ने कहा कि 'विकसित भारत- जी राम जी' योजना के लिए 95,682 करोड़ रुपये की अंतरिम स्वीकृति दी जा चुकी है। उन्होंने राज्यों से अपील करते हुए कहा कि वे समय पर अपनी औपचारिकताएं पूरी करें ताकि योजना का सुचारू क्रियान्वयन हो सके। मनरेगा के स्थान पर लायी जा रही यह योजना आगामी एक जुलाई से लागू हो रही है। इस सम्मेलन में 'लखपति दीदी डैशबोर्ड' की भी शुरुआत की गयी और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए एक विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ भी किया गया। श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखपति दीदी की संख्या तीन करोड़ से बढ़ाकर छह करोड़ महिलाओं को बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का बैंक लिंकिंग रोडमैप तैयार किया गया है।

असम में दर्दनाक ट्रेन हादसा... चपेट में आए ट्रैक पर काम कर रहे चार मजदूर, दो की मौत

नई दिल्ली। असम के जोगीघोपा स्थित नरनारायण सेतु पर सोमवार को एक दर्दनाक रेल हादसा हो गया. इस हादसे में रेलवे के निर्माण एवं रखरखाव कार्य में लगे दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी, स्थानीय प्रशासन और राहत एवं बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे. घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. जानकारी के अनुसार, चारों मजदूर रेलवे ट्रैक पर निर्माण और रखरखाव कार्य से जुड़े काम के सिलसिले में पैदल जा रहे थे. इसी दौरान विपरीत दिशाओं से ट्रेनों की आवाजाही हुई. बताया जा रहा है कि इसी बीच एक तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आने से चारों मजदूर हादसे का शिकार हो गए. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा अचानक हुआ, मजदूरों को संभलने या खुद को बचाने का मौका नहीं मिला. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को ट्रैक से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की. रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया. रेलवे अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हादसे के समय सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि ट्रैक पर काम कर रहे कर्मचारियों को ट्रेनों की आवाजाही की पूर्व सूचना दी गई थी या नहीं. हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है. इस दुर्घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने मृतक मजदूरों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. वहीं घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया गया है. अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल इस हादसे ने रेलवे निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. स्थानीय प्रशासन और रेलवे विभाग पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुटे हुए हैं, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल हुए मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देर शाम विक्टोरिया में सम्मानित अतिथि के रूप में सेशेल्स की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया। वह सेशेल्स के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। श्री मोदी सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हरमिनी के निमंत्रण पर सेशेल्स की यात्रा पर गए हैं। राष्ट्रीय दिवस समारोह भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भी आयोजित किया गया। इन विशेष अवसरों के स्मरणार्थ, सेशेल्स की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ियों ने भाग लिये। भारतीय दल में असम रेजिमेंट, भारतीय नौसेना तथा भारतीय नौसेना के मार्चिंग बैंड के कार्मिक शामिल थे, जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को प्रतिबिंबित करते हैं।

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता, साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया

लॉस एंजिल्स।

कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

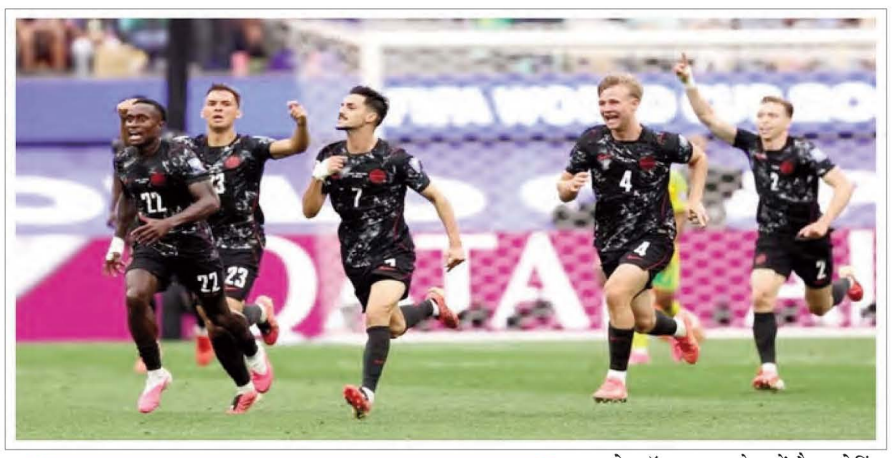

डेविस की वापसी से बढ़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्यिो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

कनाडा के कोच जेसी ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

साउथ अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

74 वर्षीय कोच ने बनाया विश्व कप इतिहास

दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच ह्यूगो ब्रूस 74 वर्ष 79 दिन की उम्र में फीफा विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में टीम को कोचिंग देने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने उरुग्वे के पूर्व कोच ऑस्कर तबरेज का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 विश्व कप में 71 वर्ष की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

सोजन ने तोड़ा अंजू जॉर्ज का 22 साल पुराना रिकॉर्ड

6.88 मीटर की छलांग लगाकर रचा इतिहास

भुवनेश्वर

केरल की लंबी कूद खिलाड़ी एंसी सोजन ने भारतीय एथलेटिक्स में इतिहास रच दिया। उन्होंने शनिवार को नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 6.88 मीटर की छलांग लगाकर अंजू बॉबी जॉर्ज का 22 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में 25 साल की एंसी ने यह रिकॉर्ड अपने पांचवें प्रयास में बनाया। उन्होंने अंजू बॉबी जॉर्ज के 6.83 मीटर को पीछे छोड़ा। यह उन्होंने 2004 एथेंस ओलिंपिक में बनाया था। यह भारतीय एथलेटिक्स के सबसे पुराने रिकॉर्ड में से एक था।

पिछले 20 साल में 6.85 मीटर से ज्यादा छलांग लगाने वाली एशिया की सिर्फ दूसरी महिला बनीं।

अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2004 एथेंस ओलिंपिक में 6.83 मीटर की छलांग लगाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद दो दशकों तक कोई भी भारतीय महिला इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सकी। अंजू 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट भी थीं। उनका यह रिकॉर्ड भारतीय एथलेटिक्स की पहचान माना जाता था। अब एंसी ने उसे अपने नाम कर लिया है। 6.88 मीटर की छलांग के साथ एंसी एशियाई इतिहास की 8वीं बेस्ट महिला लॉन्ग जम्पर बन गई हैं। इतना ही नहीं, पिछले 20 साल में 6.85 मीटर से ज्यादा छलांग लगाने वाली वह सिर्फ दूसरी एशियाई महिला हैं।

दूसरा टी-20 में आयरलैंड ने भारत को 1 रन से हराया

बेलफास्ट। आयरलैंड ने इतिहास रचते हुए पहली बार मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत को टी-20 सीरीज में हरा दिया। बेलफास्ट में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में टीम इंडिया पर 1 रन से जीत हासिल करते हुए 2-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इसके साथ ही भारतीय टीम को तीन साल बाद किसी टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 में वेस्टइंडीज ने 3-2 से हराया था। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाए। टीम की ओर से हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। भारत की ओर से डेब्यू कर रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन बना सकी। तिलक वर्मा ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जय मूंदड़ा ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में भी डेब्यू करने का मौका नहीं मिला। दोनों टी-20 मुकाबलों में भारत की हार की सबसे बड़ी वजह टॉप ऑर्डर की नाकामी रही। पहले मैच में 183 रन का पीछा करते हुए टीम ने 60 रन तक संजू सैमसन (5), ईशान किशन (1) और कप्तान श्रेयस अय्यर (3) के विकेट गंवा दिए थे। अभिषेक शर्मा ने 20 गेंदों में 50 रन जरूर बनाए, लेकिन उनके आउट होते ही पूरी बल्लेबाजी बिखर गई और टीम 148 रन पर सिमट गई। दूसरे टी-20 में भी हालात नहीं बदले। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शून्य आउट हो गए। कप्तान श्रेयस अय्यर 10 रन बना सके। सीरीज में भारत की फील्डिंग भी हार की बड़ी वजह बनी। दोनों मैचों में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 6 कैच छोड़े। पहले टी-20 में शिवम दुबे ने टिम टेक्टर, अभिषेक शर्मा ने गैरेथ डेलानी और वॉशिंगटन सुंदर ने लॉर्कन टकर का कैच टपकाया। इन जीवनदान का फायदा उठाकर टकर ने 50 और डेलानी ने 49 रन बनाकर आयरलैंड को जीत दिलाई। दूसरे टी-20 में हर्षित राणा और ईशान किशन की गलतफहमी से रॉस अडायर का आसान कैच छूट गया। इसके बाद प्रिंस यादव ने अपनी ही गेंद पर हैरी टेक्टर का रिटर्न कैच छोड़ दिया। वहीं अर्शदीप सिंह बाउंड्री पर हैरी टेक्टर का कैच नहीं पकड़ सके और गेंद हाथ से निकलकर छक्के के लिए चली गई।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप : ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से जीता, भारत बाहर

लंदन।

भारतीय विमेंस टीम टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। लॉर्ड्स में खेले गए करो या मरो मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया। भारत ने 171 रन का टारगेट दिया था, लेकिन एलिस पेरी और एश्ले गार्डनर की शतकीय साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर की 27 गेंदों में 56 रन की पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। इस हार के साथ भारत ग्रुप-ए में तीसरे स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंच गए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत को शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े। शेफाली ने 26 गेंदों में 34 रन बनाए। स्मृति ने 37 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 27 गेंदों में 56 रन बनाए। इसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। जेमिमा रोड्रिग्स (34 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़कर उन्होंने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। आखिरी ओवर में सोफी मोलिन्यू पर लगातार तीन छक्के लगाकर हरमनप्रीत ने भारत का स्कोर 170 रन तक पहुंचा दिया। 171 रन का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रेणुका सिंह ने दूसरे ही गेंद पर जॉर्जिया वॉल को एलबीडब्लू कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद

श्री चरणी ने फीबी लिचफील्ड और दीप्ति शर्मा ने बेथ मूनी को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को 68/3 पर पहुंचा दिया। उस समय भारत मुकाबले में मजबूत स्थिति में दिख रहा था। तीन विकेट गिरने के बाद एलिस पेरी और एश्ले गार्डनर ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 57 गेंदों में 100 रन की मैच जिताऊ साझेदारी की। पेरी ने 38 गेंदों में 56 रन बनाए। गार्डनर 29 गेंदों में 53 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने 19 ओवर में 4 विकेट पर 172 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। रविवार को पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को हराकर 8 अंक हासिल कर लिए थे। ऐसे में भारत को अंतिम-4 में जगह बनाने के लिए हर हाल में जीत चाहिए थी। हार के साथ भारत 5 मैचों में 6 अंकों के साथ ग्रुप-ए में तीसरे स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया ने 10 अंक और साउथ अफ्रीका ने 8 अंक के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई।

मनोरंजन

32 साल बाद एक्ट्रेस ने पहली बार बताई 'बाजीगर' के सीन के पीछे की कहानी

शाहरुख के धक्का देने के बाद क्यों मुस्कुराती रहीं शिल्पा

नई दिल्ली। शाहरुख खान और शिल्पा शेट्टी की फिल्म बाजीगर का एक सीन आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहता है। फिल्म में शाहरुख का किरदार शिल्पा के किरदार को छत से धक्का देता है। खास बात यह है कि नीचे गिरते वक्त शिल्पा के चेहरे पर मुस्कान दिखाई देती है। अब इस आइकॉनिक सीन के पीछे की कहानी शिल्पा शेट्टी ने करीब 32 साल बाद पहली बार शेयर की। खास बातचीत में शिल्पा से पूछा गया कि उस सीन में गिरते समय वह क्यों मुस्कुरा रही थीं। इसके जवाब में उन्होंने बताया कि उस समय VFX या CGI (कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी) जैसी आधुनिक तकनीक नहीं थी। पूरा सीन स्ट्रिंग वर्क के सहारे फिल्माया गया था।

शिल्पा ने कहा कि इस एक सीन को शूट

करने के लिए उन्हें 15 से 20 टेक देने पड़े और इसकी शूटिंग में करीब 4 दिन लगे। उन्होंने बताया कि अगर आज उस सीन को ध्यान से देखा जाए तो जिस स्ट्रिंग पर वह लटकी हुई थीं, वह आज भी फ्रेम में दिखाई देती है। आज की तकनीक से उसे आसानी से हटाया जा सकता है, लेकिन उस समय ऐसा संभव नहीं था। शिल्पा ने बाजीगर को अपने दौर से काफी आगे की फिल्म बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में एक अलग ही आत्मा थी।

> फिल्म में शिल्पा शेट्टी और शाहरुख खान पर फिल्माया गया गाना ऐ मेरे हमसफर आज भी बेहद लोकप्रिय है। इसके अलावा किताबें बहुत सी गाना भी काफी पसंद किया गया था।

'बाजीगर' से शिल्पा ने फिल्मों में डेब्यू किया था

'बाजीगर' (1993) शिल्पा शेट्टी की पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मुस्तान ने किया था। फिल्म में शिल्पा शेट्टी के साथ मुख्य भूमिकाओं में शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म की रिलीज (12 नवंबर 1993) के समय शिल्पा की उम्र केवल 18 साल थी। अपनी पहली ही फिल्म में बेहतरीन अभिनय के लिए शिल्पा शेट्टी को फिल्मफेयर 'बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस' के पुरस्कार के लिए नामिनेट किया गया था।

'हर्षाली ने 20 बार सलमान के हाथ पर थूका था'

नई दिल्ली। फिल्म बजरंगी भाईजान के सेट से जुड़ा एक किस्सा एक्टर मनोज बख्शी ने हाल ही में शेयर किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान चाइल्ड आर्टिस्ट हर्षाली मल्होत्रा को सीन की जरूरत के चलते कई बार सलमान खान के हाथ पर थूकना पड़ा। मनोज ने बताया कि सलमान ने बिना किसी हिचक के करीब 20 बार अपना हाथ आगे कर दिया।

मनोज बख्शी ने द वी टी शो पॉडकास्ट में बजरंगी भाईजान की शूटिंग का एक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि उस दौरान उन्हें एहसास हुआ कि सुपरस्टार होने के बावजूद सलमान खान का व्यवहार बेहद सहज और विनम्र है। मनोज के अनुसार, फिल्म के एक सीन में मुन्नी का किरदार निभा रहीं हर्षाली मल्होत्रा को कैमरे की ओर देखकर

■ फिल्म 'बजरंगी भाईजान' के एक्टर मनोज बख्शी ने शूटिंग का किस्सा शेयर किया

नॉन-वेज खाते हुए दिखाना था। निर्देशक कबीर खान के निर्देशानुसार उन्हें चबा-चबाकर खाना था, लेकिन कई बार उनके मुंह में बड़ा टुकड़ा आ जाता था, जिसे वह चबा नहीं पाती थीं। ऐसी स्थिति में शूटिंग रोकने के बजाय सलमान खान ने अपना हाथ आगे बढ़ाकर हर्षाली से कहा था कि वह उसमें थूक दें।

'मुझे लगा कि शायद मैं मर जाऊंगा'

सैफ अली खान बोले- हमलावर को माफ करना चाहता हूं, लेकिन हमला भूलना आसान नहीं

> दरअसल, 15 जनवरी 2025 को सैफ के बांद्रा स्थित घर में हमलावर ने चोरी के प्रयास के दौरान उन पर चाकू से हमला किया था। घटना के बाद सैफ को तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया था।

नई दिल्ली। एक्टर सैफ अली खान ने हाल ही में उन पर हुए चाकू हमले को याद करते हुए कहा कि उस रात उन्हें लगा था कि शायद वह बच नहीं पाएंगे। उन्होंने बताया कि वह हमलावर को माफ करना चाहते हैं, लेकिन जिस तरह उन पर हमला हुआ, उसे भूलना उनके लिए आसान नहीं है। सैफ अली खान ने 'मोजो स्टोरी' को दिए इंटरव्यू में बताया कि हमले के दौरान उनका सफेद कुर्ता-पायजामा खून से लथपथ हो गया था। सैफ ने कहा, एक समय मैं जमीन पर पड़ा था। उस वक्त मुझे लगा कि शायद मैं मर जाऊंगा।

उन्होंने आगे कहा, ₹उस समय शरीर में इतना जोश था कि डर कम लग रहा था। मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैंने अपनी जिंदगी पूरी तरह जी ली है। बस एक बार अपने बच्चों से मिलकर उनका हाथ पकड़ना और उन्हें अलविदा कहना चाहता था। मुझे लगा कि मेरी जिंदगी बहुत अच्छी रही है, लेकिन कुछ देर बाद मैंने खुद से कहा, नहीं, अभी सब खत्म नहीं हुआ है। मुझे अभी और जीना है। पांच घंटे की सर्जरी में उनकी रीढ़ से चाकू का टुकड़ा निकाला गया था। वहीं, वो करीब एक हफ्ते तक अस्पताल में एडमिट थे। इलाज के बाद एक्टर को 21 जनवरी को डिस्चार्ज किया गया। पुलिस ने मामले में बांग्लादेशी नागरिक शरीफुल इस्लाम को गिरफ्तार किया था। शो में सैफ ने यह भी बताया कि अस्पताल से निकलने के बाद उन्होंने व्हीलचेयर का इस्तेमाल इसलिए नहीं किया ताकि फैंस को लगे कि वह ठीक हैं।

सैफ हमलावर को माफ करना चाहते हैं

सैफ ने यह भी कहा कि वो उन पर हमला करने वाले शख्स को माफ भी करना चाहते हैं। जब उनसे पूछा गया, आप उसे माफ क्यों करना चाहते हैं? तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उससे बहुत बड़ी गलती हो गई। मेरा नहीं मानना कि वह लड़ाई करने आया था। शायद मुझे भी उस पर झपटना नहीं चाहिए था। सैफ आगे बोले, मुझे लगता है कि मैं उससे बात करके उसे समझा सकता था। शायद मामला वहीं खत्म हो जाता। अब वह शायद कई साल जेल में रहेगा। मैं उसे माफ करना चाहता हूं। लेकिन जिस तरह उसने मुझे मारने की कोशिश की, उसे भूलना मेरे लिए आसान नहीं है। काश मैं यह सब भूल पाता और उसे माफ कर पाता। सैफ ने अंत में यह भी कहा, मुझे लगता है कि समाज में अमीर और गरीब के बीच की दूरी और असमानता भी ऐसी घटनाओं की एक वजह है। इसलिए मैं उसकी बात कुछ हद तक समझ सकता हूं।

बाड़ी की बदहाल सड़कों सहित जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस का पीडब्ल्यूडी कार्यालय पर प्रदर्शन, 15 दिन का अल्टीमेटम

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखंड की खबर। बाड़ी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सोमवार को क्षेत्र की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर सार्वजनिक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया तथा अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि आगामी 15 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान एवं निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किए गए तो पीडब्ल्यूडी कार्यालय का घेराव किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। ज्ञापन में कोतवाली से महाराज विभाग चौराहे तक क्षतिग्रस्त एवं जर्जर सड़क का शीघ्र निर्माण कराने, बसेड़ी रोड से देवेंद्र पेट्रोल पंप तक सड़क पर बने गहरे गड्ढों को तत्काल भरवाने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इन गड्ढों के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त बाड़ी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने, गोमट मोहल्ला में अधूरे पड़े आम रास्ते का निर्माण बरसात से पूर्व पूरा कराने तथा खानपुर मीणा में क्षतिग्रस्त पुलिया की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग भी अधिकारियों के समक्ष रखी गई। बाबू महाराज जाने वाली सड़क की जर्जर स्थिति पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आगामी मेले को देखते हुए इस मार्ग का शीघ्र निर्माण कराया जाना आवश्यक है, जिससे श्रद्धालुओं एवं आमजन को आवागमन में कठिनाई न हो। ज्ञापन सौंपने वालों में रामेंद्र मीणा, रामवीर पोसवाल, हरि सिंह पहाड़िया, अनिल आरेला, परवेज पठान, कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष, युवा कांग्रेस के आर्यन राय, अमर सिंह पोसवाल, महावीर गौड़, अभिषेक यादव, ध्रुव शुक्ल, इकबाल सैफी, आसिफ सैफी, साबिर कुरेशी, चंदू अली, बाबू भाई, हनीफ खान, दिलशाद खान, फिरोज खान, कुर्बान अली, देवेंद्र गुर्जर, सुमित गुर्जर, मनीष मंगल, राम चरण कुशवाहा, केशव चंद्र मीणा, महादेव मीणा, ऋषिपाल कंसाना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नियम तोड़ने वाले होटल संचालकों पर अनूपगढ़ पुलिस का शिकंजा, होटल संचालक सहित 6 गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/श्रीगंगानगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। जिले में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अनूपगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नियमों की अनदेखी करने वाले होटल संचालकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर शहर के विभिन्न होटलों का औचक निरीक्षण किया, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर होटल संचालक सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान के दौरान होटल रिकॉर्ड, मेहमानों की एंट्री और पहचान संबंधी दस्तावेजों की गहन जांच की गई। जांच में पाया गया कि कुछ होटल संचालक बिना वैध पहचान पत्र लिए लोगों को कमरे उपलब्ध करा रहे थे। इतना ही नहीं, कई स्थानों पर होटल रजिस्टर में मेहमानों का पूरा विवरण भी दर्ज नहीं किया गया था, जो सुरक्षा मानकों का सीधा उल्लंघन है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि होटल संचालकों की यह लापरवाही अपराधियों और संदिग्ध व्यक्तियों को शरण देने का माध्यम बन सकती है, जिससे कानून-व्यवस्था पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसी को देखते हुए संबंधित होटल संचालकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अनूपगढ़ पुलिस ने सभी होटल, गेस्ट हाउस और लॉज संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि प्रत्येक मेहमान का वैध पहचान पत्र लेना, होटल रजिस्टर में पूरा विवरण दर्ज करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देना अनिवार्य है। यदि भविष्य में किसी भी होटल में नियमों की अनदेखी पाई गई तो संबंधित संचालकों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ होटल लाइसेंस निरस्त करने की सिफारिश भी की जाएगी।

पुलिस का कहना है कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण और विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ममता भूपेश बेरवा का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया

चमकता राजस्थान/गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। डग -कस्बे में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष एस सी कांग्रेस राजस्थान एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार श्री मति ममता #भूपेश बैरवा जी का जन्मदिन धीरप वर्मा (अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एस.सी. विभाग) के नेतृत्व में डग गौशाला पर गायों को हरा चारा खिलाकर व पौधारोपण कर के सेवा दिवस के रूप में मनाया मौके पर उपस्थित रहे जिला महासचिव गोपाल लाल मेहर, ब्लॉक उपाध्यक्ष भगवान लाल, बालूराम मेहर, क्यासरा मंडल अध्यक्ष राजु लाल, दुर्गेश सिंह मंगवालिया, शिव लाल मेहर, भागीरथ मेहरा, राहुल वर्मा, मोहन लाल, गोविंद लाल, रामचंदर मेघवाल, रोडू लाल मेहर, धारू मेहर, आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे

लुहिंगा कला मे बिजली ट्रासफार्म 2 महीने से खराब बिजली हुई गुल

चमकता राजस्थान/जुनेद पत्रकार। खण्ड पुन्हाना के गांव लुहिंगा कला की जनता परेशान ग्रामीण लोगो का कहना है कि 2 महीने पहले अड्डा वाली टंकी खराब पड़ी है। जिसके कारण पशुओं व घरो का पानी के कारण काफी दिक्कत हो रही है। इसके बारे मे कई बार अधिकारीयों को लिखित मे अवगत पर कर चुके है। लेकिन कोई टंकी को सही करने की सुनाई नही हुई कई ग्रामीण लोग पानी की टंकी की समस्या को लेकर गाँव के मौजूदा सरपंच से भी मिल चुके है। लेकिन ना बिजली महकमा के कानों तक जू तक रेकी है और ना ही सरपंच का कोई ध्यान है। बिजली न आने के कारणबच्चे व महिलाओ व बुर्जुग बीमार हो रहे है। ग्रामीण लोगो का कहना है कि प्रशासन हमारी बात पर सुनाई करे इस मौके पर ऊफ ज्ञानचन्द व मास्टर शमशुदीन व मुरसलीम मेडिकल स्टोर व अन्दुल खान व इलयास मिस्त्री व ग्रामीण महिलाये व समाज सेवी व मौजूद लोग मौजूद रहे।

चौबडीवाला में पेयजल संकट गहराया, एक माह से खराब पड़ा हैंडपंप

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा। बसवा उपखंड क्षेत्र के चौबडीवाला ग्राम पंचायत के महावर मोहल्ले में पिछले एक माह से हैंडपंप खराब होने के कारण ग्रामीणों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी की किल्लत से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है और उन्हें दूर-दराज से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि हैंडपंप खराब होने की सूचना कई बार संबंधित अधिकारियों को दी जा चुकी है। ग्राम विकास अधिकारी और जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता को भी समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है।

स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द हैंडपंप की मरम्मत कर पेयजल व्यवस्था बहाल करने की मांग की है, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं।

मिस एंड मिसेज फेम ऑफ राजस्थान 2026 का भव्य ग्रैंड फिनाले संपन्न

मनीष मेहता जोधपुर राजस्थान

जोधपुर। मीरा प्रोडक्शन एंड एंटरटेनमेंट द्वारा आयोजित एवं एचपीसीएल जोधपुर तथा मीरा प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत ₹मिस एंड मिसेज फेम ऑफ राजस्थान 2026₹ का भव्य ग्रैंड फिनाले रविवार, 28 जून 2026 को राज बाग (ट्री हाउस राज बाग रिजॉर्ट), जोधपुर में अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न शहरों से आई प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व एवं सौंदर्य का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को एक ऐसा प्रतिष्ठित मंच प्रदान करना था, जहां वे अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, संस्कृति एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन कर फैशन एवं ग्लैमर जगत में नई पहचान बना सकें। कार्यक्रम में फैशन, संस्कृति, संगीत एवं मनोरंजन का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का सफल आयोजन मीरा प्रोडक्शन एंड एंटरटेनमेंट के भारत दायानी एवं एचपीसीएल जोधपुर के दीपक मेवाड़ा के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के ज्वेलरी पार्टनर हेमंत डिगलानी रहे, जबकि प्रतिभागियों के आकर्षक एवं विशेष परिधानों की डिज़ाइनिंग प्रसिद्ध फैशन डिज़ाइनर कबीर पाहुजा द्वारा की गई। प्रतिभागियों का मेकअप एवं ग्रूमिंग सरिता स्पार्कल एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मूल्यांकन प्रसिद्ध फैशन एवं ब्यूटी विशेषज्ञ श्वेता चंद्रा एवं हिमांशी सोकिन ने जज के रूप में किया। दोनों निर्णायकों ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, रैंप वॉक, व्यक्तित्व, संवाद कौशल, प्रतिभा एवं प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया। ग्रैंड फिनाले में रैंप वॉक, ट्रेडिशनल राउंड, ईवनिंग गाउन राउंड, टैलेंट राउंड तथा प्रश्नोत्तर राउंड का शानदार आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शहर के प्रतिष्ठित उद्योगपति, सामाजिक कार्यकर्ता, फैशन विशेषज्ञ, मीडिया प्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

विशेष सम्मान मिस फोटोजेनिक - शीमा नाज,मिस ब्यूटीफुल स्माइल - इशिका गहलोत,मिस ब्यूटीफुल आइज़ - एकता सोलंकी,मिस ब्यूटीफुल हेयर - प्रगति भारद्वाज,मिस कॉन्फिडेंस - यशस्वी सेन

मिस ब्यूटी विद ब्रेन निकिता गोस्वामी,

मिस पर्सनैलिटी - पिहू बिश्नोई,मिस टैलेंट यामिनी चौहान,मिस फिटनेस कनिष्का बोराना,मिस इंस्पिरेशन - पायल

दौसा में जिला विद्युत समिति की बैठक, धरती आबा योजना के तहत मुफ्त बिजली कनेक्शन जल्द देने के निर्देश

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। मुरारी लाल मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला विद्युत समिति (डीईसी) की बैठक आयोजित हुई, जिसमें जिले में चल रहे विद्युत विकास कार्यों और विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत शामिल गांवों के प्रत्येक पात्र परिवार तक निःशुल्क घरेलू बिजली कनेक्शन समयबद्ध रूप से पहुंचाया जाए।

अधिकारियों ने बताया कि 50 प्रतिशत से अधिक जनजातीय आबादी वाले 282 गांवों में अब तक 1,344 पात्र परिवारों को मुफ्त घरेलू बिजली कनेक्शन दिए जा चुके हैं। सांसद ने शेष पात्र परिवारों को भी जल्द लाभ पहुंचाने और योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया।

बैठक में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की आरडीएसएस योजना के तहत हो रहे कार्यों की भी समीक्षा हुई। अधिकारियों ने बताया कि 13 नए 33/11 केवी उपकेंद्र, 12 नए 33 केवी फीडर, 126 नए 11 केवी फीडर तथा 199 फीडरों के पृथक्कीकरण सहित कई कार्य जारी हैं। जिले में लगभग 55 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। सांसद ने शेष कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

किसान खेत बचाओ अभियान के तहत बड़ोलीघाटा में किसान गोष्ठी आयोजित

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी। कृषि विज्ञान केंद्र, चित्तौड़गढ़ द्वारा किसानों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से खेत बचाओ अभियान के तहत बड़ोलीघाटा में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. रतनलाल सोलंकी ने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के सही एवं संतुलित प्रयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों का संतुलित प्रयोग करने से फसलों की पैदावार बढ़ती है तथा मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। उन्होंने उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में भी किसानों को जागरूक किया। डॉ रतनलाल सोलंकी ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी तथा टिकाऊ कृषि अपनाने पर बल दिया। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे अन्य किसानों को भी मिट्टी की जांच करवाने हेतु प्रेरित करें और रासायनिक खादों का संतुलित प्रयोग करें।

गंगधार के सेवानिवृत्त शिक्षक सत्यनारायण लोहार बने जिले के भामाशाह

- विद्यालय में 2 लाख की लागत से बनवाई स्थायी प्याऊ व वाटर कूलर, शिक्षा और समाजसेवा के योगदान पर जिला स्तरीय सम्मान

चमकता राजस्थान/उन्हेल नागेश्वर/गोवर्धन सिंह/गंगधार। शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकार निभाने की प्रेरक मिसाल पेश करते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगधार के सेवानिवृत्त शिक्षक सत्यनारायण लोहार को जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। सोमवार को झालावाड़ में आयोजित जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह मीणा एवं जिला शिक्षा अधिकारी हेमराज पारेता ने उन्हें सम्मानित कर शिक्षा एवं समाजहित में किए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोहर दास बैरागी ने बताया कि सेवानिवृत्ति के अवसर पर सत्यनारायण लोहार ने विद्यार्थियों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपने निजी खर्च से लगभग 2 लाख रुपये की लागत से विद्यालय परिसर में स्थायी प्याऊ एवं आधुनिक वाटर कूलर का निर्माण करवाया। उनके इस अनुकरणीय योगदान को देखते हुए राजस्थान सरकार की भामाशाह योजना के अंतर्गत जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। इस सम्मान से विद्यालय परिवार, पेंशनर्स संघ एवं सामाजिक संगठनों में हर्ष की लहर दौड़ गई। प्रधानाचार्य प्रभुलाल मेहर, व्याख्याता ओमप्रकाश शर्मा, समस्त विद्यालय स्टाफ, पेंशनर्स संघ के अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा, सचिव रमेश कुमार निगम सहित संघ के पदाधिकारियों एवं श्रीनाथजी मित्र मंडल के सदस्यों ने सत्यनारायण लोहार को शुभकामनाएं देते हुए उनके योगदान को शिक्षा और समाज के लिए प्रेरणादायी तथा अनुकरणीय बताया।

₹सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज और शिक्षा के प्रति समर्पण का यह उदाहरण बताता है कि सच्चा शिक्षक जीवनभर विद्यार्थियों और समाज के हित में कार्य करता रहता है।

हत्या प्रकरण में दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

चमकता राजस्थान/गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़/भवानीमंडी। माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भवानीमंडी (जिला झालावाड़) ने एक महत्वपूर्ण फैसले में हत्या के मामले में दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रकरण संख्या 02/2025, एफआईआर संख्या 204/2024, पुलिस थाना सुनेल से संबंधित इस मामले में अभियुक्त सुरेन्द्र सिंह उर्फ सुंदर पुत्र गोपाल सिंह निवासी सांगरिया थाना सुनेल तथा अभियुक्ता किरण कंवर पत्नी शिवराज सिंह निवासी सांगरिया थाना सुनेल को हत्या के अपराध में दोषी पाया गया। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास के साथ-साथ 20,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। साथ ही यह भी आदेश दिया गया कि अर्थदंड का भुगतान नहीं करने की स्थिति में उन्हें अतिरिक्त 2 वर्ष का साधारण कारावास भुगतना होगा।

इस निर्णय को क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण न्यायिक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है, जिससे गंभीर अपराधों के प्रति कड़ा संदेश गया है।

राजस्थान की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अध्ययन के लिए उत्तराखंड सरकार का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचा

चमकता राजस्थान

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत ने उत्तराखंड सरकार के मंत्री श्री खजान दास का किया स्वागत, दी योजनाओं की जानकारी

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को अम्बेडकर भवन स्थित सभागार में उत्तराखंड सरकार के समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, छात्र कल्याण एवं भाषा मंत्री श्री खजान दास तथा उनके नेतृत्व में आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत कर राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

श्री अविनाश गहलोत ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में विभाग द्वारा कल्याणकारी योजना योजनाओं द्वारा पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण (पीपीटी) के माध्यम से विस्तारपूर्वक अवलोकन कराया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को अनुप्रति योजना, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह, नवजीवन योजना, पालनहार योजना, घुमंतु, अर्द्धघुमंतु एवं विमुक्त समुदाय के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं तथा अनुसूचित जाति जनजाति विकास निगम की विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

श्री खजान दास एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने इन योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया, नीति एवं दिशा-निर्देश, मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू), बजट घोषणाओं, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति तथा प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। योजनाओं से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भी प्रतिनिधिमंडल को उपलब्ध कराए गए।

बैठक में उत्तराखंड सरकार के अतिरिक्त सचिव श्री प्रकाश चन्द्र (आईएएस), निदेशक श्री ललित कुमार, महाप्रबंधक श्री ओम प्रकाश मीणा, अतिरिक्त निदेशक (सतर्कता एवं प्रशासन) श्री पंकज ओझा, अतिरिक्त निदेशक श्रीमती रीना शर्मा, अतिरिक्त निदेशक श्री अशोक कुमार, संयुक्त निदेशक श्री सुवालाल पहाड़िया तथा विभाग के समस्त योजना प्रभारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दस्तावेज साझा किए जाने पर आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929